ज्ञानवापी मस्जिद में एडवोकेट कमिश्नर की कार्यवाही के दौरान मिले शिवलिंग को लेकर अदालत ने सुरक्षा का आदेश दिया है। इस मामले में जिला प्रशासन की ओर से इसकी सुरक्षा को लेकर कोर्ट ने दोपहर में आदेश भी जारी कर दिया है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 153 दिनांकः17-05-2022 मंगलवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेपाल के दौरे पर हैं। मोदी सोमवार सुबह लुंबिनी पहुंचे। मोदी नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के साथ बैठक में दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच कई मुद्दों पर बातचीत हुई ।

ज्ञानवापी मस्जिद के वज़ूखाने में मिला शिवलिंग, अदालत ने सील करने का दिया आदेश

वाराणसी (ईएमएस)। अदालत के आदेश पर वाराणसी की बहुचर्चित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के सर्वे का काम सोमवार को लगभग सवा 10 बजे पूरा हो गया। बताया जा रहा है कि सर्वे टीम को परिसर स्थित वजूखाने में शिवलिंग नजर आया। सर्वे टीम में शामिल हिंदू पक्ष के वकील हरिशंकर जैन ने तुरंत वाराणसी कोर्ट में आवेदन दिया। इसमें कोर्ट को बताया गया कि ज्ञानवापी परिसर में शिवलिंग मिला है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण साक्ष्य है। सीआरपीएफ कमांडेंट को उस जगह को सील करने का आदेश देने की मांग की गई। सीनियर डिविजन के जज रवि कुमार दिवाकर ने तुरंत जिलाधिकारी को उस जगह को सील करने का आदेश दिया।

वादी पक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने कोर्ट में आवेदन देकर कहा कि सोमवार को सर्वे के दौरान शिवलिंग मस्जिद कॉम्पलेक्स में पाया गया। यह महत्वपूर्ण साक्ष्य है। ऐसे में सीआरपीएफ कमांडेंट को आदेशित किया जाए कि वह इसे सील कर दें। जिलाधिकारी वाराणसी को आदेशित किया जाए कि वहां मुसलमानों का प्रवेश वर्जित कर दें। मात्र 20 मुसलमानों को नमाज अदा करने की इजाजत दी जाए और उन्हें वजू करने से भी तत्काल रोक दिया जाए। अदालत ने इसी आवेदन पर लगभग साढ़े 12 बजे सुनवाई की। शिवलिंग जिस स्थान पर पाया गया उसे अविलंब सील करने का आदेश दिया। सील किए गए स्थान पर किसी भी व्यक्ति का प्रवेश वर्जित किया जाता है।इसके अलावा डीएम, पुलिस आयुक्त और सीआरपीएफ कमांडेंट को उस स्थान को संरक्षित और सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी पूर्णतः व्यक्तिगत रूप से मानी जाएगी।

इस बीच कोर्ट से नियुक्त विशेष अधिवक्ता आयुक्त विशाल सिंह ने बताया कि जो वस्तुस्थिति पाई गई है, वही रिपोर्ट में दिखाया जाएगा। न तो किसी के पक्ष में साक्ष्य बढ़ाया जाएगा और न ही घटाया जाएगा। बताया कि सर्वे के दौरान दोनों पक्षों ने शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सहयोग प्रदान किया। सर्वे टीम में शामिल एक सदस्य के मुताबिक परिसर के एक हिस्से में जमा पानी को निकलवाया गया। सफाई के बाद पत्थर के नीचे दबा एक शिवलिंग मिला। भूतल से इस शिवलिंग की ऊंचाई लगभग 20 फुट बताई जा रही है। उस स्थान को मुस्लिम पक्ष फव्वारा बता रहा है। यह वही स्थान है जहां वजू किया जाता है। काफी दुर्व्यस्था और दुर्दशा के बीच यह शिवलिंग मिला है।

श्रीलंका में पेट्रोल खत्म होने की कगार पर - प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे

नई दिल्ली (ईएमएस)। श्रीलंका में पेट्रोल खत्म होने की कगार पर है। प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि उनके देश में महज एक दिन का ही स्टॉक बचा है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संबोधन में ये बात कही है।

प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने सोमवार को कहा है कि मैं श्रीलंकाई एयरलाइंस के निजीकरण करने का प्रस्ताव करता हूं, जो इस समय घाटे में चल रही है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य संकटग्रस्त देश को बचाना है। साथ ही उन्होंने श्रीलंका के लोगों को बताया है कि दैनिक बिजली कटौती दिन में 15 घंटे तक बढ़ सकती है।

श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री ने इशारों इशारों में देश की जनता को यह बता दिया है देश इस समय पाई-पाई को मोहताज है और इसे हल करने में काफी समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि अकेले 2020-21 का नुकसान 45 बिलियन श्रीलंकाई रुपये के पार है। एयरलाइंस के निजीकरण का प्रस्ताव देते हुए उन्होंने कहा कि यह एक नुकसान है लेकिन हमें इसे सहन करना होगा। क्योंकि उनका उद्देश्य संकटग्रस्त देश को बचाना है।

श्रीलंकाई पीएम ने कहा कि हम कई गंभीर चिंताओं का सामना कर रहे हैं। लंबी लंबी कतारों को आसान बनाने के लिए हमें अगले कुछ दिनों में लगभग 75 मिलियन अमरीकी डॉलर प्राप्त करने होंगे। फिलहाल हमारे पास सिर्फ एक दिन के लिए पेट्रोल का स्टॉक है। हाल ही में आए डीजल शिपमेंट से डीजल की कमी कुछ हद तक दूर हो जाएगी। इसके बावजूद भी यह नाकाफी साबित हो सकता है।

भारत में सारनाथ, बोधगया, कुशीनगर और नेपाल में लुम्बिनी हमारी साझी विरासत के प्रतीकः पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी नेपाल (इ्र्ँर्हें श्ट्र ग्ह र्र्जे) दौरे पर हैं। मोदी सोमवार सुबह वायुसेना के हेलिकाप्टर से लुंबिनी पहुंचे। लुंबिनी पहुंचने पर नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने उनका जोरदार स्वागत किया। मोदी लुंबिनी में सबसे पहले महामाया देवी मंदिर गए। माया देवी मंदिर में उन्होंने पूजा की। इस दौरान पीएम देउबा भी साथ थे। संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत में सारनाथ, बोधगया और कुशीनगर से लेकर नेपाल में लुम्बिनी तक ये पवित्र स्थान हमारी साझी विरासत और साझी मूल्यों का प्रतीक है। हमें इस विरासत को साथ मिलकर विकसित करना है और आगे समृद्ध भी करना है।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि नेपाल में लुम्बिनी म्यूज़ियम का निर्माण भी दोनों देशों के साझा सहयोग का उदाहरण है। आज हमने लुम्बिनी ँल्प्रे ळहग्नैगूब में डा. अम्बेडकर र्ण्पि दैँल्प्रे एल्गो स्थापित करने का भी निर्णय लिया। साथ ही उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर मेरा जन्म हुआ, गुजरात का वडनगर, वो सदियों पहले बौद्ध शिक्षा का बहुत बड़ा केंद्र था। नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने लुंबिनी में बुद्ध जयंती कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी की इस पवित्र भूमि पर पीएम मोदी का स्वागत करते हुए आज बेहद खुशी हो रही है। इस पवित्र भूमि पर आयोजित विशेष समारोह में पीएम मोदी की उपस्थिति बेहद खास है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेपाल यात्रा के दौरान आज कुल छह समझौता पर हस्ताक्षर किए गए और उनका आदान-प्रदान किया गया। वहीं नेपाली समकक्ष के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता में जल विद्युत, विकास और कनेक्टिविटी को लेकर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के साथ लुंबिनी में द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच विकास, पनबिजली और संपर्क जैसे कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने बौद्ध संस्कृति और विरासत केंद्र की आधारशिला भी रखी। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि प्रधानमंत्री नेपाल सरकार के तत्वावधान में लुंबिनी डेवलपमेंट ट्रस्ट द्वारा आयोजित बुद्ध जयंती कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में हजारों लोग शामिल रहेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने लुंबिनी में भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात भी की। भारतीय लोगों में गजब का उत्साह देखने को मिला। भारतीय लोग 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय के नारे' लगा रहे थे। पीएम मोदी नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के साथ बैठक भी करेंगे। दोनों नेताओं के बीच विकास, पनबिजली और संपर्क जैसे कई क्षेत्रों द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होने की उम्मीद है। बता दें कि साल 2014 में पीएम बनने के बाद मोदी का ये पांचवीं बार नेपाल का दौरा है।

नेपाल पहुंचने पर पीएम मोदी ने ट्वीट किया है। मोदी ने कहा कि मैं लुंबिनी पहुंचने पर प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किए जाने पर उनका धन्यवाद करता हूं। मोदी ने आगे कहा, मैं नेपाल के अद्भुत लोगों के बीच आकर खुश हूं। पीएम मोदी नेपाल से कुशीनगर जाएंगे लौटकर बुद्ध की महापरिनिर्वाणस्थली पर वंदन करेंगे। 30 मिनट प्रवास के बाद शाम करीब पांच बजे लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे। पीएम लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास पर यूपी के मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। प्रधानमंत्री राज्य के मंत्रियों को सुशासन का पाठ पढ़ाएंगे।

अभिनेत्री केतकी चितले को लेकर घर पहुंची मुंबई पुलिस की टीम, लैपटॉप समेत कई इलेक्ट्रॉनिक सामान जब्त

मुंबई, (ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार के खिलाफ सोशल मीडिया अपमानजनक पोस्ट करने के मामले में दो दिन पहले गिरफ्तार मराठी अभिनेत्री केतकी चितले के साथ मुंबई पुलिस नवी मुंबई के कलंबोली में उनके घर पहुंची. पुलिस ने अभिनेत्री के घर से सबूत इकट्ठे करने के उद्देश्य से लैपटॉप, मोबाइल फोन जैसे कई इलेक्ट्रानिक सामान जब्त किए.अभिनेत्री केतकी चितले के घर पर ठाणे अपराध शाखा और कलंबोली पुलिस थाना की टीमों ने सोमवार दोपहर उनके एवलॉन आवास पर तलाशी. इस दौरान उन्होंने कई इलेक्ट्रानिक उपकरण जब्त किए. बता दें कि अभिनेत्री केतकी चितले के खिलाफ पांच जिलों में कुल छह मामले दर्ज किए गए हैं और वह 18 मई तक पुलिस हिरासत में हैं. केतकी चितले की जिस पोस्ट को लेकर हंगामा हुआ उसमें राकांपा अध्यक्ष शरद पवार का नाम नहीं था. इस पोस्ट में उनका उपनाम पवार और 80 साल की उम्र का जिक्र किया गया था. पोस्ट में केतकी ने लिखा था कि 'नरक आपका इंतजार कर रहा है और तुम ब्राह्मणों से नफरत करते हो.'

- कई संगीन धाराओं में दर्ज हुआ मामला

अभिनेत्री की इस पोस्ट को लेकर जमकर हंगामा हुआ और उनकी गिरफ्तारी की मांग की गई और उनके खिलाफ मानहानि, लोगों में द्वेष फैलाने समेत कई संगीन धाराओं में केस दर्ज हुआ. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्वप्निल नेटके की शिकायत के आधार पर शनिवार को ठाणे के कलवा पुलिस थाने में चितले के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था.

'द कश्मीर फाइल्स' ने देश में नफरत को बढ़ावा दिया, बैन होनी चाहिए ऐसी फिल्में : फारुख अब्दुल्ला

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू कश्मीर में हाल में ही आतंकियों ने कश्मीरी पंडित राहुल भट की हत्या कर दी है। इस घटना के बाद कश्मीरी पंडितों में रोष देखने को मिल रहा है। कश्मीरी पंडितों पर हो रहे हमलों को लेकर जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला ने कहा है कि अगर कश्मीरी पंडितों पर हो रहे हमलों को रोकना है तो सरकार को द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्मों पर बैन लगाना होगा।

उन्होंने साफ तौर पर कहा ऐसी फिल्में देश में मुस्लिमों के खिलाफ नफरत का माहौल बना रही है। कश्मीर में मुस्लिम युवाओं के अंदर अगर गुस्सा है तो उसके पीछे की वजह यही है। फारूक अब्दुल्ला ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मैंने सरकार से पूछा है कि क्या द कश्मीर फाइल फिल्म सच है? इसके साथ ही उन्होंने यह भी पूछा कि क्या एक मुसलमान पहले हिंदू को मारेगा फिर उसके खून को चावल में डालकर उसकी पत्नी को खाने को कहेगा, ऐसा हो सकता है?

क्या हम इतने गिरे हुए हैं? उन्होंने दावा किया कि द कश्मीर फाइल बेबुनियाद फिल्म है जिसने मुल्क में सिर्फ और सिर्फ नफरत पैदा की है।

पाकिस्तान के कराची में विस्फोट, एक महीने में तीसरा धमाका

कराची । पाकिस्तान के कराची के खारादर इलाके में जोरदार धमाका हुआ है। इसमें छह लोगों के घायल होने की खबर है। पुलिस और बचाव अधिकारियों को घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया है। यह धमाका कराची के न्यू मेमन मस्जिद के पास हुआ है। जियो न्यूज के मुताबिक, विस्फोट में एक महिला की मौत हो गई और एक पुलिस अधिकारी समेत करीब एक दर्जन लोग घायल हैं। डान न्यूज टीवी पर दिखाए गए फुटेज के अनुसार, कराची के खरादर इलाके में न्यू मेमन मस्जिद के पास एक विस्फोट के रूप में हताहत होने की आशंका है। टेलीविजन पर प्रसारित फुटेज के अनुसार पुलिस ने बताया कि एक मोबाइल सहित मोटरसाइकिल, रिक्शा और कारों को नुकसान पहुंचा, जिसमें लोगों को आग बुझाने की कोशिश करते हुए भी दिखाया जा रहा है।

बुध पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में डुबकी

हरिद्वार, 16 मई। बुर्धहेंज;पूर्णिमार्हिंज;के अवसर पर आज गंगा स्नान करने के लिए हरिद्वार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह तड़के से ही हरकी पैड़ी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ स्नान के लिए जुटनी शुरू हो गई थी। देश भर से आये लाखों श्रद्धालु हरकी पैड़ी पर गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य की कामना कर रहे हैं। माना जाता है कि बुध पूर्णिमार्हिंज;के दिन गंगा में स्नान करने से हजारों गुना अधिक पुण्य फल मिलता है। यूँ तो हरिद्वार मे प्रतिदिन गंगा स्नान का अपना महत्व है लेकिन बुर्धहेंज;पूर्णिमार्हिंज;पर स्नान करने से माना जाता है कि इस दिन गंगा में स्नान करने से विशेष पुण्य फल मिलता है। बुर्धहेंज;पूर्णिमार्हिंज;के मौके पर गंगा स्नान करने के लिए हरिद्वार में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इन्तजाम किए गए थे। तन को झुलसा देने वाली भीषण गर्मी में आस्था की डुबकी लगाकर श्रद्धालुओं ने पुण्य अर्जित किया। साथ ही दान पुण्य भी किया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए थे। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। वहीं पूरे मेला क्षेत्र को 6 जोन 18 सेक्टरों में बांटा गया था। साथ ही जाम की स्थिति शहर में ना बने इसके लिए भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित किया गया था। इसी के साथ ट्रैफिक व्यवस्था का भी अलग से प्लान बनाकर लागू किया गया था।

सरकार के इशारे पर भाकियू में हुई टूट, कुछ लोगों के जाने से संगठन पर नहीं पड़ेगा असर : टिकैत

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ साल भर से किसानों के विरोध का नेतृत्व करने वाली भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) में दो फाड़ हो गया है। किसान आंदोलन और संगठन के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि पर किसान संघ के भीतर की कलह सतह पर आ गई। नरेश टिकैत और राकेश टिकैत के नेतृत्व वाली भाकियू से जुड़े कई किसान नेताओं ने अलग होकर भाकियू अराजनैतिक नाम का नया संगठन बना लिया।

संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश चौहान ने महेंद्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि के अवसर पर लखनऊ में भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के गठन की घोषणा की। चौहान ने कहा मैंने समय-समय पर अपने दृष्टिकोण को सामने रखने का प्रयास किया, लेकिन भाकियू अध्यक्ष नरेश टिकैत और प्रवक्ता राकेश टिकैत न तो कार्यकर्ताओं की बात सुनी और न किसान समस्याओं पर ध्यान दिया। वह गलत संगत में पड़ गए और अपनी प्राथमिकताएं भूल गए।

भाकियू (अराजनीतिक) के नेताओं ने आरोप लगाया कि वे कृषि कानूनों के विरोध और यूपी में हाल के विधानसभा चुनावों के दौरान टिकैत द्वारा दिए गए राजनीतिक बयानों से परेशान हैं। इस बीच, भाकियू ने चौहान और छह अन्य पदाधिकारियों को संगठन विरोधी गतिविधियों के लिए निष्कासित कर दिया है। नए संगठन के गठन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, बुलंदशहर में भाकियू नेता राकेश टिकैत ने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने संगठन छोड़ा है, उन्होंने सरकार के इशारे पर ऐसा किया है। इससे हम पर कोई असर नहीं पड़ेगा और भाकियू और मजबूत होगा।

टिकैत ने किसानों को विभाजित करने की कोशिश के लिए केंद्र सरकार पर भी हमला किया। भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत ने इसे सरकार की शह पर की गई कार्रवाई करार देते हुए दावा किया कि इससे संगठन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। टिकैत ने केन्द्र की नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर किसानों को बांटने और कमजोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

फिर बढ़ सकती हैं पेट्रोल और डीजल की कीमतें, तेल कंपनियों को हो रहा घाटा, लोगों पर पड़ेगी ऊंची कीमत की मार

नई दिल्ली। ऐसा लगता है कि तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि पर छह अप्रैल से जो ब्रेक लगाया है उसे फिर से शुरू कर सकती हैं। सरकारी तेल कंपनियों के सूत्रों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड के आधार पर अभी उन्हें पेट्रोल पर 10 रुपये और डीजल पर 25 रुपये प्रति लीटर का घाटा हो रहा है। ऐसे में इन दोनों उत्पादों की खुदरा कीमतों में वृद्धि नहीं की गई तो तेल कंपनियों को भारी घाटा उठाना पड़ सकता है।

ऐसे में केंद्र सरकार और राज्य सरकारें मिल कर शुल्कों में कटौती करें तभी आम आदमी को राहत संभव है, नहीं तो जनता पर भारी वृद्धि का एक और बोझ पड़ना तय है। सरकारी तेल कंपनियों ने 22 मार्च से लेकर छह अप्रैल, 2022 तक लगातार घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा किया था। इस दौरान पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में 10-10 रुपये की कुल वृद्धि की गई थी। अभी दिल्ली में पेट्रोल की खुदरा कीमत 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल की 96.67 रुपये प्रति लीटर है।

पूर्व में जो वृद्धि गई है उसकी वजह से महंगाई पर असर साफ दिख रहा है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि मार्च-अप्रैल में की गई वृद्धि का असर मई, 2022 के महंगाई के आंकड़ों पर साफ दिखने वाला है। ऐसे में एक और वृद्धि से महंगाई के तेवर और खतरनाक हो सकते हैं। अर्थव्यवस्था के लिए भी यह शुभ संकेत नहीं है। सूत्रों का कहना है कि घरेलू बाजार में खुदरा कीमत नहीं बढ़ाने की वजह से सरकारी तेल कंपनियों के पूरे प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। खास तौर इनका निर्यात प्रभावित हो सकता है। अभी वैश्विक हालात की वजह से यूरोपीय देशों के अलावा सऊदी अरब जैसे देश भी भारत से डीजल का आयात कर रहे हैं। लेकिन इस बैलेंस को बनाए रखने के लिए कंपनियों को घरेलू बाजार से भी अपने उत्पादों की लागत निकालनी होगी।

ऐसे में खुदरा कीमतों पर लगी मौजूदा रोक ज्यादा दिनों तक नहीं बनाए रखी जा सकती। हालांकि, वृद्धि का सिलसिला कब शुरू होगा, यह कहना मुश्किल है। उधर, लागत बढ़ने की वजह से ही निजी क्षेत्र की रिफाइनरियों ने देश में डीजल की की बिक्री बंद कर रखी है क्योंकि उनकी कीमत और सरकारी तेल कंपनियों की कीमत में बहुत ज्यादा अंतर है। सूत्रों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमतें बढ़ने से सरकारी तेल कंपनियों को घाटा हो रही है। इसलिए सरकारी तेल कंपनियां फ्यूल की कीमतों में इजाफा कर सकती हैं। इससे जनता पर बोझ पड़ना तय माना जा रहा है।

पाकिस्तान की शह पर 'सांप्रदायिक एजेंडा' न चलाये ओआईसी - भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने जम्मू कश्मीर में परिसीमन को लेकर इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की अवांछित टिप्पणियों को पकिस्तान की शह पर चलाया जा रहा 'सांप्रदायिक एजेंडा' करार दिया है। भारत ने ओआईसी से एक देश की शह पर 'सांप्रदायिक एजेंडा' चलाने से बचने को कहा है। भारत की यह सख्त प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है, जब ओआईसी ने जम्मू कश्मीर में परिसीमन को लेकर भारत सरकार की आलोचना की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, हमें हैरान हैं कि ओआईसी ने एक बार फिर भारत के आंतरिक मामलों के लेकर अवांछित टिप्पणियां की हैं।'' उन्होंने कहा कि अतीत में भी भारत सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर को लेकर ओआईसी के बयानों को सिरे से खारिज किया था।

उत्तराखंड चार धाम तीर्थयात्रा- 39 श्रद्धालुओं ने दम तोड़ा, डीजी हेल्थ ने हाई बीपी, हृदय रोग बताया कारण

देहरादून (ईएमएस)। हिंदू धार्मिक महत्व वाली उत्तराखंड चार धाम यात्रा जारी है और यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक 39 तीर्थ यात्रियों ने दम तोड़ दिया है। राज्य की स्थास्थ्य विभाग की महानिदेशक डॉ. शैलजा भट्ट ने बताया कि इन सभी मौतों की वजह हाई ब्लड प्रेशर, हृदय संबंधी समस्याएं और माउंटेन सिकनेस (ऊंचाई से संबंधित समस्या) हैं। उत्तराखंड में इस साल चार धाम यात्रा को शुरू हो केवल 13 दिन ही हुए हैं ऐसे में इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौत से स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारियों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। 3 मई को अक्षय तृतीया के पर्व से शुरू हुई चार धाम यात्रा में श्रद्धालुओं की इन मौतों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गंभीरता से लिया है। सीएम के निर्देश पर प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने दिशानिर्देश जारी किए और साथ ही मंदिरों में उमड़ रही भारी भीड़ के मद्देनजर प्रत्येक धाम में दर्शन के लिए निर्धारित दैनिक श्रद्धालुओं की अधिकतम संख्या में एक हजार की बढ़ोतरी की है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से दिशानिर्देशों में कहा गया है कि 2700 मीटर से अधिक ऊंचाई पर स्थित सभी चारों धाम- बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में तीर्थयात्री अत्यधिक ठंड, कम आर्द्रता, अत्यधिक पराबैंगनी विकिरण, कम हवा का दबाव और ऑक्सीजन की कम मात्रा से प्रभावित हो सकते हैं, इसलिए वे मेडिकल जांच के बाद ही यात्रा शुरू करें।

इसके अलावा पहले से बीमार लोगों को अपने डॉक्टर की रिपोर्ट, अपनी दवाएं और डॉक्टर का फोन नम्बर अपने साथ रखने को कहा गया है। इसके साथ ही हृदय रोग, श्वांस रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगियों को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जाते समय विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, सिर दर्द होना, चक्कर आना, घबराहट होना, दिल की धड़कन तेज होना, उल्टी आना, हाथ-पांव व होठों का नीला पड़ना, थकान होना, सांस फूलना, खांसी होना या अन्य लक्षण होने पर तत्काल सबसे करीब के स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचने तथा हेल्पलाइन नंबर 104 पर संपर्क करने को कहा गया है। इसके अलावा बेहद बूढ़े, बीमार और पहले कोविड से संक्रमित हो चुके लोगों के लिए यात्रा पर न जाने या कुछ समय के लिए उसे टालने की सलाह दी गई है। इसके अलावा, तीर्थस्थल पर पहुंचने से पहले तीर्थयात्रियों को मार्ग में एक दिन का विश्राम करने का सुझाव दिया गया है।

शरीयत कानून से जुड़ा है मामला मुस्लिम विद्वान लेंगे अजान विवाद पर फैसलाः कर्नाटक वक्फ बोर्ड

नई दिल्ली (ईएमएस)। कर्नाटक वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष एनके मोहम्मद शफी सादी ने कहा है कि मुस्लिम विद्वान उच्चतम न्यायालय के फैसले के परिप्रेक्ष्य में अजान पर उचित निर्णय लेंगे। सादी ने कहा कि कर्नाटक सरकार ने हाल ही में सर्कुलर जारी करके मस्जिदों में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर शीर्ष न्यायालय के आदेश का पालन करने के लिए कहा है। इसके तहत केवल तड़के की अजान ही प्रभावित होगी। वक्फ बोर्ड ने फिलहाल इस पर कोई निर्णय नहीं लिया है। सादी ने कहा कि निर्णय शरीयत कानून से संबंधित है। दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में उलेमाओं (विद्वानों) के साथ आज और कल चर्चा करने के बाद उचित निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि वक्फ बोर्ड ने पिछले साल 17 मार्च को सभी मस्जिदों को शीर्ष न्यायालय के आदेश का पालन करने के लिए सर्कुलर जारी किया था, लेकिन हिंदू संतों के सामने यह कहते हुए चिंता जताई कि प्रतिबंध न केवल अजान , बल्कि मंदिरों में पूजा अनुष्ठान के लिए भी हानिकारक हैं। सादी ने कहा कि वक्फ बोर्ड मदरसों में राष्ट्रगान गाने का स्वागत करता है, लेकिन राष्ट्रवाद और देशभक्ति भीतर से आनी चाहिए न कि थोपी जाए। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड के तहत 1990 मदरसे हैं, जहां राष्ट्रगान गाया जाता है, लेकिन खेद है कि कुछ तत्व सांप्रदायिक नफरत को एक उद्देश्य से फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

तेलंगाना सरकार के खिलाफ झूठ फैला रहे झूठों के बादशाह अमित शाह : केटीआर

के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार के खिलाफ शाह के इस आरोप पर कि उन्होंने देश में ऐसी भ्रष्ट सरकार नहीं देखी, रामा राव ने भाजपा शासित कर्नाटक में व्याप्त भ्रष्टाचार का उदाहरण देते हुए शाह पर पलटवार किया।

रामा राव ने उल्लेख किया कर्नाटक के भाजपा विधायक का आरोप है कि उनसे कुछ लोगों ने संपर्क किया था और 2,500 करोड़ रुपये के बदले में राज्य के मुख्यमंत्री के पद की पेशकश की थी। तेलंगाना के मंत्री ने साथ ही कर्नाटक में एक लिंगायत संत की कथित टिप्पणी का भी उल्लेख किया कि मठ स्वीकृत अनुदान लेने के लिए 30 प्रतिशत कमीशन देते हैं। रामा राव ने कर्नाटक में एक ठेकेदार की कथित आत्महत्या का भी जिक्र किया, जिसने एक सार्वजनिक कार्य में 40 प्रतिशत कटौती की मांग को लेकर भाजपा के तत्कालीन मंत्री पर आरोप लगाया था।

रामा राव ने कहा कि अमित शाह को अपना नाम बदलकर झूठों का बादशाह करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शाह का दावा है कि 'मिशन भगीरथ' योजना के लिए 25,000 करोड़ रुपए दिए गए। रामा राव ने कहा कि उनका नाम बदलने की तत्काल आवश्यकता है, वह अमित शाह नहीं बल्कि झूठों के बादशाह हैं। रामा राव ने कहा क्या हमें उन्हें 'झूठों का बादशाह' नहीं कहना चाहिए? नीति आयोग ने यह कहते हुए परियोजना के लिए अनुदान के रूप में 19,000 करोड़ रुपये की सिफारिश की थी कि यह एक अच्छी परियोजना है। क्या आपकी सरकार ने 19 पैसे भी दिए हैं? खुलेआम झूठ बोलने में कोई शर्म नहीं है? लोग आपकी बात पर विश्वास करने के लिए तैयार नहीं हैं ऐसी 'बेतुकी' बात बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रामा राव ने कहा कि टीआरएस ने अमित शाह से तेलंगाना के विकास में केंद्र के योगदान पर बोलने की मांग की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि शाह ने तेलंगाना के लिए उपयोगी कुछ भी कहे बिना निजाम और रजाकारों के बारे में बात की। उन्होंने सवाल किया कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने पिछले आठ वर्षों में तेलंगाना के लिए क्या किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने केंद्र को कर के रूप में 3.65 लाख करोड़ रुपए का भुगतान किया, लेकिन बदले में उसे केवल 1.68 लाख करोड़ रुपये मिले।

तेलंगाना सरकार द्वारा लिए गए ऋणों पर शाह की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया करते हुए रामा राव ने भाजपा पर भारत को कर्ज के जाल में धकेलने का आरोप लगाया और कहा कि पिछले आठ वर्षों में राजग सरकार द्वारा 100 लाख करोड़ रुपये का ऋण लिया गया। शाह के इस बयान पर कि अगर टीआरएस सरकार विधानसभा भंग करती है तो भाजपा चुनाव का सामना करने के लिए तैयार है, रामा राव ने कहा कि अगर भाजपा संसद भंग करती है तो टीआरएस भी चुनाव के लिए तैयार है।

दो तरह के भारत बनाना चाहती है भाजपा, हम ऐसा भारत चाहते हैं जहां हर कोई अपने सपने पूरे कर सके : राहुल

- पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने डूंगरपुर में किया 132 करोड़ के पुल का शिलान्यास

जयपुर (ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान के डूंगरपुर के बेणश्वेर धाम पहुंचे। जहां उन्होंने 132 करोड़ की लागत से बने पुल का शिलान्यास किया। इसके बाद राहुल गांधी और मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से सभा स्थल के लिए रवाना हो गए। बांसवाड़ा में जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल ने राजस्थान सरकार के कामों की तारीफ की।

राहुल ने कहा कि पूरे देश में स्वास्थ्य के मामले में राजस्थान सबसे आगे है। यहां 10 लाख रुपए तक का इलाज फ्री में होता है। आज सीएम अशोक गहलोत मुझे कह रहे थे कि अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खोले जा रहे हैं, जिससे गरीबों और आदिवासियों को ज़बरदस्त फायदा होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा दो भारत बनाना चाहती है एक अमीरों के लिए, 2-3 बड़े उद्योगपतियों के लिए और दूसरा गरीबों, आदिवासियों, दलितों, पिछड़े और कमजोरों के लिए। हमें दो भारत नहीं चाहिए, हम एक ऐसा भारत चाहते हैं जहां हर किसी को अपने सपने पूरे करने का मौका मिले।

राहुल ने कहा कि भाजपा सरकार ने हमारी अर्थव्यवस्था पर हमला किया है। पीएम मोदी ने नोटबंदी और गलत जीएसटी लागू किया। इसने हमारी अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया। पहले यूपीए ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का काम किया, बीजेपी और पीएम मोदी ने इसे नुकसान पहुंचाया। आज स्थिति ऐसी है कि देश में युवाओं को नौकरी नहीं मिल सकती।

राजस्थान के बांसवाड़ा के करना गांव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह एक लड़ाई है जो आज भारत में चल रही है। हम लोगों को जोड़ते हैं, वे लोगों को बांटते हैं। हम कमजोरों की मदद करते हैं, वे चुने हुए बड़े उद्योगपतियों की मदद करते हैं। यह 2 विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है। एक तरफ कांग्रेस की विचारधारा है जो कहती है कि हमें सभी को एक साथ लाकर आगे बढ़ना है, सभी का सम्मान करना है और सभी के इतिहास और संस्कृति की रक्षा करना है। दूसरी तरफ भाजपा है जो आदिवासियों के इतिहास और संस्कृति को बांटती और मिटाती है। कांग्रेस और आदिवासियों का रिश्ता बहुत पुराना और गहरा है। हम आपके इतिहास की रक्षा करते हैं।

कार्टून कोना

जन हितैषी

रानिल की ताजपोशी

श्रीलंका में हिंसक प्रदर्शन के बाद अब हालात बेहतर होते दिखाई दे रहे हैं। रानिल विक्रमसिंघे श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री बनेंगे। महिंदा राजपक्षे द्वारा पीएम पद से इस्तीफा दिए जाने के बाद रानिल विक्रमसिंघे श्रीलंका के नए पीएम बनाए गए हैं। रानिल विक्रमसिंघे 1994 से यूनाइटेड नेशनल पार्टी के प्रमुख रहे हैं। वह अब तक 5 बार श्रीलंका के पीएम रहे चुके हैं। महिंदा के 2020 में पीएम बनने से पहले भी रानिल ही श्रीलंका के पीएम थे। 73 साल के रानिल ने वकालत की पढ़ाई की हुई है। 70 के दशक में रानिल ने राजनीति में कदम रखा और पहली बार 1977 में सांसद चुने गए थे। 1993 में पहली बार पीएम बनने से पहले रानिल उप विदेश मंत्री, युवा और रोजगार मंत्री सहित कई और मंत्रालय संभाल चुके हैं। बता दें कि नए पीएम को नियुक्त करने से पहले गोटबाया राजपक्षे से साफ कहा था कि मैं युवा मंत्रिमंडल नियुक्त करूंगा जिसमें राजपक्षे परिवार का एक भी सदस्य नहीं होगा। अलग पार्टी में रहते हुए भी रानिल विक्रमसिंघे को श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और महिंदा राजपक्षे का करीबी बताया जाता है। यही कारण है कि उन्हें पीएम बनाया जा रहा है। पूर्व पीएम महिंदा राजपक्षे के साथ ही उनके सहयोगियों और अन्य मंत्रियों को श्रीलंका की अदालत ने देश छोडऩे पर प्रतिबंध लगा दिया है। रानिल विक्रमसिंघे चीन समर्थक महिंदा राजपक्षे की अपेक्षा भारत के ज्यादा करीब रहे हैं। रानिल के पीएम बनने से उम्मीद है कि भारत के साथ रिश्ते और ज्यादा मधुर होंगे। महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे के बाद पूरे देश में जमकर हिंसा हुई थी और प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री के पैतृक घर को जला दिया था। यही नहीं महिंदा के आधिकारिक आवास को भी जलाने का प्रयास किया गया था। इस बीच श्रीलंका के पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और उनका परिवार तब तक त्रिंकोमाली नौसैनिक अड्डे पर रहेगा, जब तक कि व्यापक हिंसा के बाद द्वीप राष्ट्र में वापस सामान्य स्थिति नहीं हो जाती। व्यापक हिंसा के बाद मजबूरन कोलंबो से भागने के बाद श्रीलंकाई रक्षा मंत्रालय के सचिव कमल गुणरत्ने ने कहा कि जब देश में स्थिति सामान्य हो जाएगी, तब राजपक्षे को उनके इच्छित स्थान पर ले जाया जाएगा। रक्षा सचिव ने कहा कि चाहे इसमें कितना भी समय लगे, सेना राजपक्षे को तब तक सुरक्षा मुहैया कराएगी, क्योंकि एक पूर्व प्रधानमंत्री के तौर पर वह जीवन भर सुरक्षा के हकदार हैं। 9 मई को महिंदा के इस्तीफे के बाद से देश में हिंसा भड़क गई थी। सोमवार को सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के साथ सरकार समर्थक समूहों की झड़प के बाद देश में कई हिंसक घटनाएं हुई हैं, जिसमें एक सांसद सहित आठ लोगों की मौत हो चुकी है और 200 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। देशव्यापी कर्फ्यू को गुरुवार सुबह तक बढ़ा दिया गया है। 1948 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से सबसे गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा यह द्वीप राष्ट्र वर्तमान में बिना सरकार के ही है। डॉलर की किल्लत और महंगाई की वजह से गंभीर वित्तीय संकट के बीच राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर 31 मार्च से शुरू हुआ विरोध पूरे देश में जारी है। विरोध के मद्देनजर कैबिनेट ने इस्तीफा दे दिया लेकिन महिंदा राजपक्षे ने उनके नेतृत्व में एक नई कैबिनेट का गठन किया। ईंधन और गैस की कमी और घंटों बिजली कटौती के साथ, लोग सड़कों पर उतर आए और सरकार से तत्काल इस्तीफे की मांग की। इस बीच, राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने विपक्ष से सर्वदलीय सरकार बनाने का आग्रह किया है, लेकिन इसने राजपक्षे के पद छोड़ने तक ऐसा करने से इनकार कर दिया है। सरकार के स्वामित्व वाली सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने बुधवार को घोषणा की कि मौजूदा सुरक्षा स्थिति के कारण ईंधन वितरण को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है।

उच्च रक्तचाप : एक मूक हत्यारा

(17 मई : विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर विशेष)

उच्च रक्तचाप यानी हाई ब्लड प्रेशर दुनिया में एक आम रोग है, जो मानव स्वास्थ्य को गंभीर रूप से खतरे में डालता है। दुनिया भर में बढ़ते उच्च रक्तचाप के प्रति लोगों में जागरूकता को बढ़ावा देने और सभी देशों के नागरिकों को इस मूक हत्यारे को रोकने और नियंत्रित करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है। इस दिवस का पहली बार मई 2005 में आयोजित किया गया था। इस दिवस की स्थापना का उद्देश्य यह है कि रोगियों और चिकित्सा कर्मियों सहित सभी लोगों को एक वैज्ञानिक और उचित जीवन शैली बनाने के लिए शिक्षित करना, उच्च रक्तचाप की रोकथाम और उच्च रक्तचाप के इलाज के महत्व को प्रचारित करना है।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों को अपने लिए समय नहीं मिल रहा है और वे तनाव और तनाव से भी पीड़ित हैं जो आगे चलकर हाइपरटेंशन की समस्या को जन्म देता है। यह एक प्रकार की स्थिति है जिसे उच्च रक्तचाप के रूप में भी जाना जाता है जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है। उच्च रक्तचाप की बीमारी से पीड़ित व्यक्ति अपने स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है और अपने काम पर ठीक से ध्यान नहीं दे पाता है। लोग कई तरह की गतिविधियों में आत्मविश्वास से लबरेज हो जाते हैं। तो, हम कह सकते हैं कि उच्च रक्तचाप उच्च रक्तचाप का दूसरा नाम है जो गंभीर जटिलताएं पैदा कर सकता है और हृदय रोग, स्ट्रोक और मृत्यु के जोखिम को भी बढ़ा सकता है। क्या आप जानते हैं कि रक्तचाप वह बल है जो रक्त द्वारा रक्त वाहिकाओं की दीवारों पर लगाया जाता है? विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग के विकास ने दुनिया भर में आहार में नमक की मात्रा को प्रभावित किया है और यह उच्च रक्तचाप में भूमिका निभाता है।

उच्चरक्तचाप रोग के कारण निष्क्रिय जीवन शैली, अत्यधिक तनाव, मधुमेह, अधिक धूम्रपान, मोटापा, वसायुक्त भोजन। ऐसे लोगों को अधिक ख़तरा होता है, जिनका कोलेस्ट्रोल, ट्राईग्लिसराइड और वीएलडीएल, एलडीएल अधिक होता है। जानकारी के अनुसार आज विश्व भर में उच्चरक्तचाप रोगियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। हमारे शरीर में मौजूद रक्त नसों में लगातार दौड़ता रहता है और इसी रक्त के माध्यम से शरीर के सभी अंगों तक ऊर्जा और पोषण के लिए ज़रूरी ऑक्सीजन, ग्लूकोज, विटामिन्स, मिनरल्स आदि पहुंचते हैं। ब्लड प्रेशर उस दबाव को कहते हैं, जो रक्त प्रवाह की वजह से नसों की दीवारों पर पड़ता है। आमतौर पर यह ब्लड प्रेशर इस बात पर निर्भर करता है कि हृदय कितनी गति से रक्त को पंप कर रहा है और रक्त को नसों में प्रवाहित होने में कितने अवरोधों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों के जीवन स्तर में काफी सुधार हुआ है, लेकिन लोगों के काम का बोझ और दबाव बढ़ गया है और लोगों की जीवनशैली दिन-ब-दिन अस्वस्थ होती जा रही है। उदाहरण के लिए अब लोगों के अनियमित आहार, देर से सोना और व्यायाम की कमी, जिससे उच्च रक्तचाप होने वालों की संख्या बढ़ा दी है।

गौरतलब है कि देश-विदेश में हुए शोधों के अनुसार एक स्वस्थ जीवनशैली उच्च रक्तचाप से बचा सकती है और उच्च रक्तचाप की रोकथाम कर सकती है। रोजमर्रा के जीवन में, लोगों को यह करना चाहिएः पहला, सकारात्मक रवैया बनाए रखें; दूसरा, स्वस्थ व संतुलित आहार बनाएं; तीसरा, नियमित व्यायाम, वजन नियंत्रण और अच्छी नींद का पालन करें। कुल मिलाकर हमें उच्च रक्तचाप के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ानी चाहिए, सचेत रूप से एक स्वस्थ जीवन शैली विकसित करनी चाहिए और जल्दी से रोकथाम और उपचार करना चाहिए।

डॉक्टरों द्वारा बताए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार, उच्च रक्तचाप की बीमारी से पीड़ित लोगों को कम से कम 150 मिनट मध्यम एरोबिक व्यायाम या 75 मिनट जोरदार-तीव्रता वाला व्यायाम करना चाहिए। लोगों को सप्ताह में कम से कम 5 दिन व्यायाम करना चाहिए जैसे वे टहलना, टहलना, साइकिल चलाना या तैराकी कर सकते हैं। दवा उच्च रक्तचाप को कम करने, अपरिहार्य तनाव को प्रबंधित करने के लिए रणनीति विकसित करने आदि में भी मदद करती है। ब्लड प्रेशर को स्फिग्मोमैनोमीटर या ब्लड प्रेशर मॉनिटर द्वारा मापा जाता है। इसे दो श्रेणियों सिस्टोलिक और डायस्टोलिक (एमएमएचजी) में मापा जाता है। आपको बता दें कि 120 एमएमएचजी का सिस्टोलिक रीडिंग दबाव को संदर्भित करता है क्योंकि हृदय शरीर के चारों ओर रक्त पंप करता है। 80 एमएमएचजी का डायस्टोलिक रीडिंग दबाव को संदर्भित करता है क्योंकि हृदय आराम करता है और रक्त से भर जाता है।

उच्च रक्तचाप रोग के लक्षण की बात करें तो जैसा कि हम जानते हैं कि इस बीमारी को साइलेंट किलर के रूप में जाना जाता है और हो सकता है कि व्यक्ति को कोई लक्षण नजर न आए। लेकिन यह कार्डियोवस्कुलर सिस्टम और किडनी जैसे आंतरिक अंगों को नुकसान पहुंचा सकता है। साथ ही हाई ब्लड प्रेशर के कारण पसीना आना, घबराहट होना, नींद न आना और ब्लशिंग जैसी समस्याएं हो जाती हैं। और उच्च रक्तचाप के संकट में व्यक्ति को सिरदर्द और नाक से खून आने का अनुभव हो सकता है। लंबे समय तक उच्च रक्तचाप एथेरोस्क्लेरोसिस का कारण बन सकता है जहां प्लाक बनने से रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं। इससे दिल की विफलता, दिल का दौरा, एक धमनीविस्फार हो सकता है जो धमनी की दीवार में एक असामान्य उभार है जो फट सकता है और गंभीर रक्तस्राव, गुर्दे की विफलता, स्ट्रोक आदि का कारण बन सकता है।

(लेखक-ईएमएस/बी. डेविड)

वक्त के साथ कदमताल में पिछड़ती गई काँग्रेस

इसमें कोई शक नहीं कि काँग्रेस अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। उसके बाद भी चिन्तन करना बताता है कि उम्मीदें बाँकी है। सच में चिंतन से ही सार निकलता है। लेकिन क्या काँग्रेस के उदयपुर चिन्तन शिविर में सिवाय शीर्ष नेताओं की मौजूदगी और उनके उनके बनाए स्क्रिप्ट के अलावा धरातल की विषय वस्तु पर भी विचार हुआ होगा? जवाब क्या है कहने की जरूरत नहीं, सबको पता है, नहीं। मुझे एकाएक शरद जोशी का चर्चित और पुराना व्यंग याद आ गया जिसमें उन्होंने काँग्रेस पर तगड़ा कटाक्ष किया था। 1977 में तब काँग्रेस की तीस साल की हुकूमत के मौके पर लिखा एक व्यंग 'तीस साल का इतिहास' जो उनकी पुस्तक 'जादू की सरकार' में संकलित है, बड़ा लोकप्रिय हुआ। उदयपुर में संगठन को लेकर किस तरह की चिन्ता की गई यह तो अन्दरखाने की बात है लेकिन देश के लिए जो संदेश निकला उसमें युवाओं का नष्ट होता भविष्य, बेरोजगारी, जबरदस्त मंहगाई, मुद्रा स्फ़ीति और रूस-यूक्रेन युध्द के असर पर पूरा ध्यान केन्द्रित दिखाया गया। काँग्रेस कुछ राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों के साथ 2024 की रणनीति में अभी से जुटी लग रही है जो ठीक भी है। लेकिन क्या 2 अक्टूबर गाँधी जयन्ती से भारत जोड़ो पदयात्रा कर पार्टी का जनता बीच जाने का ऐलान लोगों से पुराना रिश्ता दोबारा जोड़ पाएगा? काँग्रेस कितनी सफल होगी वक्त बताएगा। लेकिन जिस तरह से भाजपा अपनी सर्वोच्च लोकप्रियता के शिखर पर नित नए कीर्तिमान बनाती जा रही है वैसा कुछ काँग्रेस में कभी दिखा नहीं। हो सकता है तब लोगों की सोच और समझ अलग रही हो, न सोशल मीडिया का जमाना था और न न्यूज चैनलों की भरमार थी। चुनिंदा विकल्पों पर निर्भरता से लोगों की बातें भी एक दूसरे तक खुलकर नहीं पहुँच पाती थीं। आज परिस्थितियाँ एकदम अलग हैं।

ऐसा नहीं है कि काँग्रेस ने देश के लिए किया कुछ नहीं। काँग्रेसी हुकूमत में देश ने कई कीर्तिमान और आर्थिक मोर्चों पर जबरदस्त सफलता पाई। उतार-चढ़ाव के बावजूद दुश्मनों ने भारत की ताकत का लोहा माना। कुछ लादे तो कुछ जबरन थोपे युध्दों ने भी बेहद मजबूत किया। तमाम उद्योग और कल-कारखाने स्थापित हुए। विश्व मंच पर भारत की अलग धमक व चमक दिखी। अर्थशास्त्री पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की नीतियों ने बुरे दौर में भी देश को संभाले रखा। लेकिन काँग्रेस ने हमेशा एक ही गलती की थी कि संगठन और लोगों के बीच जुड़े रहने की जहमत नहीं उठाई। इसे चाहे लगातार सत्ता में बने रहने की खुमारी कहें या सत्ता सुख भोग चुके नेताओं की अनदेखी तब इस बारे में चिन्तन नहीं किया गया कि क्यों कांग्रेस से लोग छिटकते जा रहे हैं? आम व नए मतदाताओं की रुचि क्यों घट रही है? स्पष्ट बहुमत तक न पहुँच पाने पर ईमानदार आत्ममंथन या चिन्तन क्यों नहीं हुए? सब कुछ जानते हुए भी इससे एकदम बेखबर काँग्रेस की, बजाए खुद को जनता के बीच मजबूत बनाए रखने के गठबन्धन जरिए सरकार में बने रहने की दिलचस्पी ज्यादा थी। नतीजा सामने है ऐसे ही पेंचों में फंसकर काँग्रेस दिनों दिन कमजोर होती चली गई। देश की बड़ी पार्टियों में शुमार होने के बावजूद लोग अब दूसरों को काँग्रेस के विकल्प के रूप में देखने और सोचने लगे हैं।

यूँ तो 1967 में कांग्रेस के वर्चस्व को पहली चुनौती मिली और यह सिलसिला किसी न किसी रूप में लगातार चलता रहा। इंदिरा जी की हत्या के बाद उपजी सहानुभूति लहर में काँग्रेस ने एक बार फिर सारे कीर्तिमान ध्वस्त करते हुए 415 लोकसभा सीटें जीतकर जो रिकॉर्ड बनाया वह इस तरह ध्वस्त होगा किसी ने नहीं सोचा होगा। 1951-52 में हुए पहले आम चुनाव से लेकर इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के दौर तक काँग्रेस को कोई दूसरी पार्टी टक्कर नहीं दे सकी। बीच में 1977 में इंदिरा गाँधी की सरकार गिरी भी तो बहुत जल्द जोरदार वापसी कर ली। लेकिन न तब और न अब जनता के बीच घुसपैठ बनाने को लेकर पार्टी कभी गंभीर दिखी। हाँ, पिछले दो आम चुनावों में कांग्रेस का ऐसा बुरा हाल हुआ कि उसे मुख्य विपक्षी दल का दर्जा मिलना भी मुश्किल हो गया।

इतना तो समझ आता है कि देश के मजबूत लोकतंत्र की हिमायती जनता भी चाहती है कि निरंकुश कोई भी दल न हो पाए। इसलिए समय-समय पर जबरदस्त प्रयोग करती है। केन्द्र में भले ही भाजपा को खासा बहुमत देकर बिठाया हो लेकिन राज्यों में अलग-अलग जनादेश देकर मजबूत लोकतंत्र बनाया है। गुजरात, हरियाणा, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, गोवा, मणिपुर में भाजपा की सरकारें हैं तो बिहार, नागालैण्ड, मेघालय, पुड्डुचेरी में भाजपा के सहयोग से क्रमशः जनता दल यूनाइटेड, नेशनल डेमोक्रेटिव प्रोग्रेसिव पार्टी, नेशनल पीपुल्स पार्टी, आल इण्डिया नमथु राजियाम काँग्रेस की सरकार काबिज हैं। जबकि केवल दो राज्यों राजस्थान और छत्तीसगढ़ में काँग्रेस की सरकारें हैं तो महाराष्ट और झारखण्ड में क्रमशः शिवसेना और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा काँग्रेस के सहयोग से काबिज है। वहीं दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी, ओडीशा में बीजू जनता दल, केरल में सीपीएम, प.बंगाल में तृणमूल, आँधप्रदेश में वाईएसआर काँग्रेस, तेलंगाना में तेलंगाना राष्ट्र समिति, सिक्किम में सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा, मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रन्ट तो तमिलनाडु में डीएमके सत्तारूढ़ है। इसके राजनीतिक मायने चाहे जो भी निकाले जाए लेकिन यह हमारे परिपक्व और मजबूत लोकतंत्र की जबरदस्त खूबसूरती और मजबूती है जिससे दुनिया भर में सबसे बड़े लोकतंत्र की चर्चा होती है, उदाहरण दिए जाते हैं।

हो सकता है काँग्रेस भी देर आयद, दुरुस्त आयद की तर्ज पर उदयपुर नव चिन्तन शिविर में मंथन से वो अमृत निकालना चाह रही हो जिससे एक बार फिर सब ठीक होने लगे। लेकिन सवाल वही कि जबरदस्त निकले जहर को पिएगा कौन? जो दिख रहा है उससे तो यही लगता है आराम तलब और फाइव स्टार कल्चर में ढल चुके अधिकतर काँग्रेसी सेवादल, युवक काँग्रेस, महिला काँग्रेस के उस दौर को फिर जिन्दा कर पाएंगे जहाँ बड़े-बड़े शिविर और बैठकें जमीन पर होती थीं। जबरदस्त अनुशासन और एक-दूसरे का सम्मान था। पद की गरिमा थी। पद प्रभाव से या जुगाड़ से नहीं कबाड़ा जाता था बल्कि क्षमतावानों, ऊर्जावानों को ढूढ़कर दिया जाता था। आज परिस्थियाँ ठीक उलट है। देश, राज्य, जिलों में पार्टी के शीर्ष लंबरदारों को भले ही न दिखे, लेकिन पब्लिक सब जानती है कि उनके नगर, शहर या वार्ड का कौन सा काँग्रेसी, पार्टी के प्रति कितना आस्थावान है? कौन विज्ञप्तिवीर है जो ऊँचे पदों पर बैठे आकाओं के चरणवंदन के सहारे और प्रायोजित या पेड न्यूज से खुद को महिमामंडित करा पार्टी में सुशोभित है। चिन्तन शिविर में इस पर भी कुछ मनन हुआ हो तो अच्छा है वरना ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, सुनील जाखड़ की उपेक्षाओं के उदाहरण सामने हैं। भले ही राष्ट्रीय स्तर पर काँग्रेस परिवारवाद के आरोपों से घिरी हो लेकिन सच को स्वीकारना होगा कि भाजपा में तय समय में देश से लेकर नगर तक पार्टी की कमान नए चेहरे को देकर जिस तरह लोगों को जोड़ा जा रहा है और कार्यकर्ताओं की फौज तैयार हो रही है वो गजब की सोशल इंजीनियरिंग है और बड़ा आकर्षण भी। जबकि काँग्रेस उन्हीं चेहरों से बाहर नहीं निकल पा रही है।

स्व. शरद जोशी भी अपना लिखा पढ़ ठहाके लगा रहे होंगे ''कभी देश आगे बढ़ा, कभी काँग्रेस आगे बढ़ी, कभी दोनें आगे बढ़ गए, कभी दोनों नहीं बढ़ पाए, फिर यूँ हुआ कि देश आगे बढ़ गया और काँग्रेस पीछे रह गई। यह काँग्रेस की महायात्रा है, खादी भण्डार से आरंभ हुई और सचिवालय में समाप्त हो गई।'' लोकतंत्र के लिए मतदाता की नकेल अहम है। काश, काँग्रेस समझती और इस भ्रम से बाहर आ पाती कि लोकतंत्र को कम से कम दो मजबूत पार्टियों की जरूरत है।

(लेखक - ऋतुपर्ण दवे/ईएमएस)

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभकार हैं)

आज का इतिहास 17 मई

1521 इंग्लैंड के तख्त के दावेदार एडवर्ड स्टैफोर्ड को राजद्रोह के आरोप में मौत के घाट उतार दिया गया.

1540 शेरशाह ने हुमायूं को हरदोई की लड़ाई में पराजित किया.

1632 जान जार्ज सेक्सोनी ने प्राग पर कब्जा किया.

1792 न्यूयार्क के शेयर बाजार की स्थापना 24 शेयर दलालों के बीच वाल स्ट्रीट में समझौते के बाद हुई.

1803 ब्रिटेन ने फ्रांस और हालैंड के जहाजों पर प्रतिबंध लगाया.

1814 नार्वे ने स्वीडन से स्वतंत्र होने की घोषणा की और नया संविधान स्वीकार किया.

1857 बहादुरशाह द्वितीय स्वतंत्र भारत के शाहंशाह घोषित हुए.

1940 द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रुसेल्स पर जर्मनी न कब्जा किया.

1946 रोमानिया के युद्धकालीन प्रधानमंत्री मित्री एटोनेस्कू को मौत की सजा सुनाई गयी.

1957 मिस्त्र ने इजरायली जहाजों के स्वेज नहर से गुजरने पर रोक लगायी.

1974 डबलिन में कार बम विस्फोट में 32 व्यक्ति मारे गए और सैंकड़ों अन्य घायल हो गए.

1994 संचामन लिंबू सिक्किम के नये मुख्यमंत्री बने.

1994 प्रमुख कांग्रेसी नेता के.ब्रह्मानंद रेड्डी का 83 वर्ष की आयु में निधन.

1996 ई.के.नयनार केरल के नये मुख्यमंत्री बने.

1999 कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी ने पद से त्यागपत्र दिया.

2001 गाजियाबाद व दिल्ली में काले बंदर के कारण तीन मरे.

राज ठाकरे:अवसरवादी व विकृत राजनीति का एक और चेहरा

यदि हम पीछे मुड़कर राज ठाकरे के राजनैतिक महत्वाकांक्षा भरे जीवन पर एक नज़र डालेंगे तो यही पायेंगे कि बाल ठाकरे की विरासत के रूप में शिव सेना की कमान न मिल पाने के विरोध में ही 9 मार्च 2006 को कथित रूप से हिंदुत्व तथा भूमिपुत्र के सिद्धान्तों पर आधारित महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) महाराष्ट्र के एक क्षेत्रीय राजनैतिक दल के रूप में वजूद में आई। यह भी कहा जाता है कि उद्धव ठाकरे के साथ मतभेद तथा राज्य में चुनाव में टिकट वितरण जैसे अहम फ़ैसलों में राज ठाकरे की अवहेलना के चलते भी मनसे गठित की गयी। परन्तु हक़ीक़त तो यह है कि यदि बाल ठाकरे अपनी राजनैतिक विरासत अपने पुत्र उद्धव ठाकरे को सौंपने के बजाये भतीजे राज ठाकरे को सौंप देते तो यक़ीनन मनसे वजूद में ही न आती। बहरहाल मनसे ने राज ठाकरे के नेतृत्व में बाल ठाकरे तर्ज़ की आक्रामक राजनीति करनी शुरू की। शिवसेना को कमज़ोर करने की कोशिश करते हुए बी एम सी,पुणे नगर निगम,ठाणे तथा नासिक नगर निगम जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर अपने प्रतिनिधि निर्वाचित कराये। इतना ही नहीं बल्कि 2009 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मनसे ने 13 विधानसभा सीटें भी जीतीं । इसके अलावा 24 से अधिक स्थानों पर मनसे दूसरे स्थान पर भी रही।

परन्तु अब सीटें जीतने के लिहाज़ से धीरे धीरे मनसे का राजनैतिक जनाधार लगभग समाप्त सा हो गया है। इसका मुख्य कारण यह है कि जो मनसे हिंदुत्व का ध्वजवाहक बनना चाहती थी उसी ने 2008 में उत्तर भारतीयों विशेषकर उत्तर प्रदेश,झारखण्ड,मध्य प्रदेश और बिहारी प्रवासियों के विरुद्ध खुले आम हिंसा शुरू कर दी। मनसे कार्यकर्ताओं ने महाराष्ट्र के विभिन्न भागों में उत्तर भारतीय दुकानदारों और विक्रेताओं पर हमला किया। कई जगह सरकारी सम्पत्ति नष्ट कर दी। छठ जैसे उत्तर भारतीयों के प्रमुख त्यौहार का विरोध किया जाने लगा। इस घटना पर लोकसभा में भी काफ़ी हंगामा हुआ था। इसी तरह 9 नवम्बर 2009 को समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आज़मी को मनसे विधायकों द्वारा उन्हें हिंदी में शपथ लेने से रोका गया। और उनसे सदन में मार पीट की गयी। महाराष्ट्र विधान सभा अध्यक्ष ने इस घटना में शामिल मनसे के चार विधायकों को चार वर्ष के लिए निलम्बित कर दिया गया था । मुम्बई और नागपुर में विधान सभा बैठक के दौरान उनके प्रवेश पर भी रोक लगा दी गई थी । अभी पिछले दिनों पूर्व महाराष्ट्र में मनसे द्वारा खड़े किये गये अज़ान-लाउडस्पीकर-हनुमान चालीसा विवाद के मध्य मनसे प्रमुख राज ठाकरे को कथित तौर पर कोई धमकी भरा पत्र मिला। इस पत्र के मिलने के बाद एक मनसे नेता ने कहा कि राज ठाकरे को एक धमकी भरा उर्दू में लिखा गया पत्र मिला है, उनकी जान को ख़तरा है। इस नेता ने चेतावनी दी है कि अगर ठाकरे को कुछ हुआ तो 'वे महाराष्ट्र को जला देंगे'। स्वयं राज ठाकरे की राजनीति का अंदाज़ प्राय: आक्रामक व तल्ख़ी भरा ही रहता है। वे कई बार अपने साक्षात्कार के दौरान आपे से बाहर और वरिष्ठ पत्रकारों के प्रति अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करते दिखाई देते हैं।

अब जबसे शिवसेना ने भाजपा से अपना पुराना नाता तोड़ कांग्रेस व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से मिलकर सरकार गठित की है तब ही से राज ठाकरे भाजपा के साथ अपने राजनैतिक संबंध बनाने की जुगत में लगे थे। या यूँ कहें कि भाजपा व मनसे दोनों को ही एक दूसरे से संबंध बनाने की मजबूरी दरपेश थी। परन्तु इसके लिये राज ठाकरे को अपने मराठी नहीं बल्कि हिंदुत्ववादी तेवरों में धार रखनी ज़रूरी थी। जो उन्होंने मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने,अज़ान के वक़्त लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा पढ़ने जैसा विवाद खड़ा कर, करने की पूरी कोशिश भी की। साथ ही राज ठाकरे ने अपने नये 'हिंदुत्ववादी अवतार' को क्षेत्रीय की जगह राष्ट्रीय 'कवच' पहनाने के लिये 5 जून को अयोध्या में राम लला के दर्शन का कार्यक्रम भी घोषित कर दिया।ख़बरों के मुताबिक़ मनसे ने 11 ट्रेन रैक बुक कराने की योजना बनाई है ताकि अयोध्या में मनसे के कार्यकर्ता अपने नेता का स्वागत कर सकें। परन्तु उत्तर भारतीयों द्वारा राज ठाकरे का पुराना रिकार्ड अब खोल दिया गया है। बहराइच,अयोध्या से लेकर इलाहबाद और पूर्वांचल के कई ज़िलों में उन्हीं उत्तर भारतीयों ने राज ठाकरे का विरोध करने के लिये कमर कस ली है जिन्हें 2008 में राज ठाकरे के निर्देशों पर मनसे कार्यकर्ताओं द्वारा इतना प्रताड़ित किया गया था कि लाखों लोग रास्तों में और ट्रेनों,बसों व टैक्सियों में मार खाते, लुटते, पिटते अपने घरों को लौटने के लिये मजबूर हो गए थे। राज ठाकरे के विरोध में सत्ताधारी दल भाजपा के क़ैसर गंज के सांसद बृजभूषण शरण सिंह जोकि भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष भी हैं, ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा है कि ठाकरे को अयोध्या आने देना तो दूर उन्हें उत्तर प्रदेश की सीमा में भी घुसने नहीं दिया जायेगा। और भी कई राजनेता व धर्मगुरु भी राज ठाकरे की अयोध्या यात्रा का विरोध कर रहे हैं। उनके अयोध्या आगमन से पहले ही अनेक राजनैतिक संगठन और संस्थायें विरोध में उतर आई हैं। अयोध्या के कई प्रमुख साधु संत व धर्मगुरु भी राज ठाकरे के प्रस्तावित अयोध्या दौरे का विरोध कर रहे हैं।

राज ठाकरे के अयोध्या दौरे का विरोध करने वालों का कहना है कि उत्तर भारतीयों को अपराधी कहने वाले राज ठाकरे या तो उत्तर भारतीयों से माफ़ी मांगें अन्यथा अयोध्या आने का साहस न करें। इनका कहना है कि 'हम उत्तर भारतीय ही भगवान श्री राम के वंशज हैं अत: उत्तर भारतीयों का महाराष्ट्र में अपमान किया जाना भगवान श्रीराम का अपमान है। राज ठाकरे भगवान श्री राम के अपराधी हैं। लिहाज़ा बिना माफ़ी मांगे अयोध्या आने पर उत्तर भारतीय राज ठाकरे का जमकर विरोध करेंगे। इस पूरे प्रकरण में आश्चर्य की बात तो यह है कि जहाँ एक भाजपा सांसद खुलकर राज ठाकरे के अयोध्या दौरे का विरोध कर रहे हैं वहीँ इन्हीं विरोध स्वरों के बीच अयोध्या से भाजपा के ही सांसद लल्लू सिंह, राज ठाकरे के समर्थन में आ गये हैं। सांसद लल्लू सिंह का कहना है कि जो भी प्रभु श्रीराम की शरण में आना चाहता है उसका अयोध्या में स्वागत है। सांसद लल्लू सिंह ने यह भी कहा कि -'राज ठाकरे पर हनुमान जी की कृपा हुई है इसलिए वह अयोध्या में प्रभु श्रीराम जी की शरण में आ रहे हैं। मैं प्रभु से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें सद्बुद्धि मिले जिससे कि वह स्वयं के व महाराष्ट्र के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी की शरण में भी जाएं'। उधर 10 जून को राज ठाकरे के भतीजे आदित्य ठाकरे भी अयोध्या आ रहे हैं। अयोध्या में दोनों 'ठाकरे' के दौरे को लेकर पोस्टर लगाये जा रहे हैं। इसके चलते अयोध्या शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के टकराव का केंद्र बनता जा रहा है। बहरहाल राज ठाकरे के रूप में अवसरवादी व विकृत राजनीति का एक और चेहरा तो ज़रूर उभर रहा है परन्तु इन सब के बीच उत्तर भारतीयों को यह जानना भी बेहद ज़रूरी है कि उत्तर भारतीयों के दम पर अपनी सरकार बनाने वाली व हिंदी भाषा का प्रसार करने की कोशिशों में लगी भारतीय जनता पार्टी हिंदी भाषा व उत्तर भारतीयों का विरोध करने वाले राज ठाकरे के प्रति नीतिगत व सैद्धांतिक रूप से आख़िर क्या विचार रखती है। (लेखक/ईएमएस-तनवीर जाफ़री)

शब्द पहेली - 7288

बाएँ से दाएँ

1. तरंग,हिलोर-3
3. झगड़ा,द्वेष,कहासुनी-3
5. पार्थिव देह-2
6. जरा,थोड़ा-2
8. रहस्य जानने वाला-4
10. दरवेश, औलिया,पीर-3
12. बहुतांश-3
13. राजनीतिक पार्टी-2
14. हिरासत-2
15. साजन,प्रेमी-3
17. देवर्षि-3
19. भगवान,रब,करतार -4
21. श्रवणेंद्रिय-2
23. प्राण,जीवन तत्व-2
24. द्रव पदार्थ-3
25. डोली उठाने वाले-4

ऊपर से नीचे

1. भगवान राम का एक पुत्र-2
2. दया,करुणा-3
3. शर्ट,बुशर्ट-3
4. अधिकार-2
5. भद्र,कुलीन-3
7. बड़ा भवन,कोठी-3
8. हमेशा,हर पल-4
9. यात्री,पथिक,राहगीर-2
12. कुख्यात-2,2
15. तमीज,तहजीब-3
16. रात्रि,रजनी-2
18. शोषण करना,दबाना-3
19. आसान,सीधा-3
20. नाव चलाने वाला-3
22. झुका हुआ-2
23. मर्तबान,रूस का राजा-2

शब्द पहेली -7287 का हल

म	न	■	श	री	र	■	ज	ला
त	■	ह	र	म	■	न	हा	ना
■	आ	रा	म	■	रा	ज	न	■
क	स	म	■	ल	ह	र	■	त
र	न	■	ग	ल	त	■	भ	ला
म	■	स	ब	क	■	का	र	क
■	आ	ब	रु	■	ह	र	ना	■
म	ह	ल	■	का	र	ण	■	त
न	ट	■	क	ल	म	■	शा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

महिला टी20 चैलेंज टूर्नामेंट में कप्तानी करेंगी हरमनप्रीत , स्मृति और दीप्ति

हर टीम में 16 खिलाड़ी शामिल , मिताली ओर झूलन को मिला आराम

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 23 मई से शुरु हो रहे महिला टी20 चैलेंज टूर्नामेंट के पांचवें सत्र के लिए तीन टीमों और उनके कप्तानों की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट आईपीएल के दौरान ही खेला जाएगा। इसमें हरमनप्रीत कौर को सुपरनोवाज टीम की कमान सौंपी गई है जबकि स्मृति मंधाना ट्रेलब्लेजर और दीप्ति शर्मा टीम वेलोसिटी की कप्तान बनायी गयी हैं। इन तीन टीमों के लिए खिलाड़ियों की घोषणा भी कर दी गयी है। इसमें हर टीम में 16 खिलाड़ियों को रखा गया है। यह महिला टी20 चैलेंज मुकाबला आईपीएल के अंतिम सप्ताह में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट का आयोजन 23 से 28 मई के बीच पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा।

बीसीसीआई ने अनुभवी बल्लेबाज मिताली राज और तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को इस टूर्नामेंट में शामिल नहीं करते हुए आराम दिया है। इस टूर्नामेंट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों के साथ ही इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की भी कुल 12 खिलाड़ी भाग लेंगी। महिला टी20 चैलेंज 2022 का शुरुआती मैच 23 मई को सुपरनोवाज और ट्रेलब्लेजर के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला शाम 7.30 बजे से शुरु होगा। इसके बा 24 मई को सुपरनोवाज की टक्कर वेलोसिटी से होगी। हालांकि, यह मैच दोपहर 3.30 बजे से खेला जाएगा। वहीं 26 मई को वेलोसिटी और ट्रेलब्लेजर के बीच तीसरा मैच खेला जाएगा। 28 मई यानी रविवार को फाइनल होगा।

महिला टी20 चैलेंज 2022 के लिए टीमें इस प्रकार हैं:

सुपरनोवाजः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), तानिया भाटिया, एलाना किंग, आयुषी सोनी, चंदू वी, डिएंड्रा डॉटिन, हरलीन देओल, मेघना सिंह, मोनिका पटेल, मुस्कान मलिक, पूजा वस्त्राकर, प्रिया पुनिया, राशि कनौजिया, सोफी एक्लेस्टोन, सुन लुस, मानसी जोशी.

ट्रेलब्लेज़रः स्मृति मंधाना (कप्तान), पूनम यादव, अरुंधति रेड्डी, हैली मैथ्यूज, जेमिमाह रोड्रिग्स, प्रियंका प्रियदर्शिनी, राजेश्वरी गायकवाड़, रेणुका सिंह, ऋचा घोष, एस मेघना, सैका इशाक, सलमा खातून, शर्मिन अख्तर, सोफिया ब्राउन, सुजाता मलिक, एसबी पोखरकर.

वेलोसिटीः दीप्ति शर्मा (कप्तान), स्नेह राणा, शेफाली वर्मा, अयाबोंगा खाका, केपी नवगीर, कैथरीन क्रॉस, कीर्ति जेम्स, लौरा वोलवार्ड, माया सोनवणे, नत्थाकन चंतम, राधा यादव, आरती केदार, शिवाली शिंदे, सिमरन बहादुर, यास्तिका भाटिया, प्रणवी चंद्रा।

दोहरा शतक नहीं लगा पाये मैथ्यूज

ढ़ाका (ईएमएस)। श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में दोहरा शतक नहीं लगा पाये और 199 रनों के स्कोर पर आउट हो गये। मैथ्यूज की इस पारी की सहायता से श्रीलंका ने पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 397 रन बना लिए थे। इससे पहले श्रीलंकाई कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम के शुरुआती 2 विकेट 66 रन तक गिर गए। इसके बाद कुशल मेंडल और मैथ्यूज ने तीसरे विकेट के लिए 92 रन बनाये। मेंडिस ने 54 रन बनाये। इसके बाद दिनेश चांदीमल के साथ मैथ्यूज की पांचवे विकेट के लिए 136 रन की साझेदारी हुई। चांदीमल 66 रन बनाकर पेवेलियन लौटे।

मैथ्यूज ने इसके बाद भी बल्लेबाजी जारी रखी। पारी के 153वें ओवर में वह ऑफ स्पिनर नईम हसन की गेंद पर शाकिब अल हसन के हाथों कैच हुए। नईम ने इस मैच में 105 रन देकर 6 विकेट लिए। वहीं शाकिब ने 3 विकेट लिए जबकि तैजुल इस्लाम को 1 विकेट मिला.

श्रीलंका ने सुबह दूसरे दिन के खेल की शुरुआत 4 विकेट पर 258 रन से की थी।

मुम्बई को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखने उतरेगी सनराइजर्स

शाम 7.30 बजे से शुरु होगा मुकाबला

मुंबई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में मंगलवार को सनराइजर्स हैदराबाद की टीम मुम्बई इंडियंस पर जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखने के इरादे से उतरेगी। सनराइजर्स अगर इस मैच में हारती है तो उसकी आगे जाने की संभावनाएं समाप्त हो जाएंगी। सनराइजर्स ने इस सत्र की शुरुआत में लगातार पांच मैच जीते थे पर इसके बाद उसे पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है जिससे टीम का मनोबल गिरा हुआ है। अब अगर वह वह अपने बचे हुए दोनों मैच जीत जाती है तो उसके 14 अंक हो जाएंगे ऐसे में उसे उम्मीद करनी होगी कि अन्य टीमें अपने बचे हुए मैच हार जाए।

सनराइजर्स को अगर इस मैच में जीत हासिल करनी है तो उसे अपनी अच्छी बल्लेबाजी करने के साथ ही कसी हुई गेंदबाजी भी करनी होगी ताकि मुम्बई के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया जा सके। सनराइजर्स की परेशानी उसके कप्तान केन विलियमसन का फार्म में न होना भी रहा है। अब इस मैच में उसे जीत चाहिये तो विलियमसन को बड़ी पारी खेलने होगी। उन्होंने 12 मैचों में अब तक केवल 208 रन ही बनाये हैं। टीम को युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से भी बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। सनराइजर्स के पास मध्यक्रम में राहुल त्रिपाठी, एडेन मार्कराम और निकोलस पूरण जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं जिनके बल पर वह एक अच्छे स्कोर की उम्मीद कर सकती है।

पिछले मैच में मध्यक्रम की नाकामी के कारण उसे कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब उसके खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करना ही होगा। वाशिंगटन सुंदर और शशांक सिंह को भी फिनिशर के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। गेंदबाजी की बात करें तो सनराइजर्स के पास उमरान मलिक, भुवनेश्वर कुमार, मार्को यानसेन और यार्कर विशेषज्ञ टी नटराजन जैसे तेज गेंदबाज हैं जिनका सामना करना मुम्बई के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा। उमरान ने अब तक इस सत्र में सबसे तेज गेंदबाजी की है और अब देखना है कि मुंबई के बल्लेबाज किस प्रकार उनका सामना करते हैं। वहीं रोहित शर्मा की कप्तानी वाली मुम्बई पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी है और अब वह बिना किसी दबाव के उतरेगी क्योंकि उसके पास खोने को कुछ नहीं है। ऐसे में उसका लक्ष्य सनराइजर्स का खेल बिगाड़ना रहेगा। मुंबई ने पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच विकेट से हराया था जिससे भी उसका उत्साह बढ़ा है और ऐसे में वह हैदराबाद को कड़ी टक्कर देगी। मुंबई को अगर जीत दर्ज करनी है तो रोहित के अलावा युवा इशान किशन को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सूर्यकुमार यादव के नहीं होने के कारण इन दोनों को अधिक जिम्मेदारी लेकर खेलना होगा।

युवा तिलक वर्मा ने अब तक शानदार बल्लेबाजी की है और टीम को उनसे आगे भी ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। कम युवा डेनियल सैम्स, टिम डेविड, ट्राइस्टन स्टब्स और रमनदीप सिंह जैसे बल्लेबाजों को सनराइजर्स के गेंदबाजों का सामना करते समय सावधान रहना होगा। गेंदबाजी की बात करें तो मुम्बई के पास तेज गेंदबाज जसप्रीम बुमराह और रिले मेरेडिथ हैं जो सनराइजर्स के बल्लेबाजों को कड़ी टक्कर देने के इरादे से उतरेंगे। ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड भी गेंद और बल्ले से अहम भूमिका निभा सकते हैं।

एमबापे तीसरी बार फ्रांसीसी लीग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने

पेरिस (ईएमएस)। काइलन एमबापे को तीसरी बार फ्रांसीसी फुटबॉल लीग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला है। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के स्ट्राइकर एमबापे ने फ्रांसीसी लीग में सबसे ज्यादा 25 गोल करके अपनी टभ्म को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में कुल मिलाकर 36 गोल किए। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी को इससे पहले साल 2019 और 2021 में भी लीग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का इनाम मिला था। वहीं अब अटकलें लगायी जा रही हैं कि एमबापे अब स्पेनिश क्लब रीयाल मैड्रिड से जुड़ सकते हैं क्योंकि पीएसजी के साथ उनका करार जून में समाप्त हो रहा है और उसे आगे बढ़ाने को लेकर उन्होंने अभी तक कोई संकेत नहीं दिये हैं।

जोकोविच , स्वियातेक ने इटली ओपन खिताब जीते

रोम (ईएमएस)। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने इटली ओपन खिताब जीता है। पुरुष एकल वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच ने फाइनल में यूनान के स्टेफानोस सितसिपास को 6-0, 7-6 से हराकर यह खिताब अपने नाम किया। जोकोविच ने इससे पहले सेमीफाइनल में नार्वे के कास्पर रूड को हराकर अपने करियर का 1000 वां मुकाबला जीता था। वहीं महिला एकल वर्ग में पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने खिताबी मुकाबले में तुर्की की ओन्स जेबुर को 6-2, 6-2 से हराकर अपनी 28वीं जीत हासिल की है। इसी के साथ ही स्वियाटेक ने अमेरिका की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स की लगातार 27 जीत का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। सेरेना ने इससे पहले साल 2014 और 2015 में लगातार 27 मैच जीते थे।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी बाजार में यह तेजी बैंकिंग, वित्तीय, ऊर्जा और वाहन क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में उछाल से आई है। इसी के साथ ही घरेलू शेयर बाजारों में पिछले छह कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट भी रुक गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 180.22 अंक करीब 0.34 फीसदी ऊपर आकर 52,973.84 पर पहुंच गया। वहीं दिन के कारोबार के दौरान एक समय यह 634.66 अंक के उछाल के साथ ही 53,428.28 अंक तक पहुंच गया था।

दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 60.15 अंक तकरीबन 0.38 फीसदी की बढ़त के साथ ही 15,842.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, मारुति, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, टाइटन और एचडीएफसी बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, आईटीसी और टीसीएस के शेयरों में गिरावट आई। पिछले सात सत्रों में पहली बार निफ्टी में तेजी आई है। इससे पहले गत छह सप्ताह में विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट रही थी।

वहीं एशिया के अन्य बाजारों में जापान के निक्की और हांगकांग के हैंगसेंग में तेजी आई जबकि दक्षिण कोरिया के कॉस्पी और चीन के शंघाई कंपोजिट में गिरावट रही। दूसरी ओर यूरोपीय शेयर बाजार मिले-जुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी शेयर बाजारों में मजबूती रही।

इंडोनेशिया में होर्डिंग से टकराने के बाद बस पलटी, 14 लोगों ने दम तोड़ा

सुराबाया, इंडोनेशिया (ईएमएस)। इंडोनेशिया के जावा द्वीप में एक भीषण सड़क हादसे में एक दर्जन से अधिक लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है सोमवार को एक पर्यटन बस बिलबोर्ड (इश्तेहार के लिए लगी होर्डिंग) से टकराने के बाद पलट गई, जिससे बस में सवार 14 लोगों की मौत हो गई जबकि 19 अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पूर्वी जावा यातायात पुलिस के प्रमुख लतीफ उस्मान ने बताया कि बस में पूर्वी जावा प्रांत की राजधानी सुराबाया के इंडोनेशियाई पर्यटक सवार थे और वे मध्य जावा के मशहूर पहाड़ी रिजार्ट डियेंग प्लेटू से लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि सुबह सूर्योदय के तुरंत बाद बस मोजोकार्टो टोल के पास बिलबोर्ड से टकरा गई। टेलीविजन समाचारों द्वारा जारी वीडियो फुटेज में पुलिस और चिकित्सा कर्मी पीड़ितों को बस से निकालते दिख रहे हैं। उस्मान ने बताया कि पुलिस हादसे की वजहों की जांच कर रही है, लेकिन लगता है कि हादसे के पहले बस चालक को झपकी आ गई थी। उन्होंने कहा कि पुलिस ने चालक से अब तक पूछताछ नहीं की है क्योंकि वह भी गंभीर रूप से घायल है। उस्मान ने बताया कि 19 घायलों का मोजोकार्टो के चार अस्पतालों में इलाज चल रहा है और उनमें से अधिकांश की हड्डियों में फ्रैक्चर हो गया है।

भाजपा, दिल्ली में 63 लाख लोगों के घर और दुकानों पर बुलडोज़र चलाने की तैयारी में है, यह आज़ाद भारत का सबसे बड़ा विध्वंस होगा : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का कहना है कि भाजपा, दिल्ली में 63 लाख लोगों के घर और दुकानों पर बुलडोज़र चलाने की तैयारी में है। यह आज़ाद भारत का सबसे बड़ा विध्वंस होगा। दिल्ली की कच्ची कॉलोनियों में 50 लाख और झुग्गियों में 10 लाख लोग रहते हैं, जबकि एमसीडी ने करीब तीन लाख प्रॉपर्टी की और लिस्ट बनाई है। जिस तरह से भाजपा लोगों के घर और दुकानें तोड़ रही है, वो सही नहीं है। हम इसके खिलाफ हैं। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने कहा था कि 'जहां झुग्गी, वहीं मकान' बना कर दिया जाएगा और अब ये लोग इन सबको तोड़ने के लिए आ गए। सीएम अरविंद केजरीवाल ने नगर निगम का चुनाव कराने की मांग करते हुए कहा कि पूरी दिल्ली जानती है कि इस बार एमसीडी में 'आप' की सरकार बनेगी। जैसे हमने शिक्षा-स्वास्थ्य में बेहतर काम किया। बिजली ठीक की और पानी ठीक रहे हैं। ऐसे हम अवैध अतिक्रमण को भी ठीक करेंगे। मैने आज बैठक कर अपने विधायकों को कहा है कि आपको जेल भी जाना पड़े, तो डरना मत, लेकिन जनता के साथ खड़ा होना है। इस तरह से बुलडोजर चलाना, दादागिरी-गुंडागर्दी और अपनी पावर का गलत इस्तेमाल करना सही नहीं है।

-दिल्ली जिस तरह से बनी है, उसमें 80 फीसद से अधिक दिल्ली अतिक्रमण के दायरे में आएगी : अरविंद केजरीवाल

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज एक महत्वपूर्ण डिजिटल प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले कुछ हफ्तों से हम लोग देख रहे हैं कि दिल्ली के अंदर भारतीय जनता पार्टी द्वारा शासित नगर निगम की तरफ से दिल्ली में कई जगह बुलडोजर चलाए जा रहे हैं और कहा जा रहा है कि अभी कई महीनों तक बुलडोजर चलाए जाएंगे। वो कह रहे हैं कि हम दिल्ली से सारा अतिक्रमण हटाने जा रहे हैं। जितना भी अवैध अतिक्रमण और अवैध निर्माण है, वो सारी हटाई जाएंगी। हम खुद भी अतिक्रमण के खिलाफ हैं। हम नहीं चाहते हैं कि अतिक्रमण होना चाहिए। हम नहीं चाहते हैं कि अवैध बिल्डिंग बननी चाहिए। लेकिन इसमें दो चीजें महत्वपूर्ण हैं। पहला यह कि पिछले 75 साल में दिल्ली जिस तरह से बनी है, दिल्ली प्लैंड तरीके से नहीं बनी है। दिल्ली जिस तरह से बनी है, उसमें 80 फीसद से अधिक दिल्ली अतिक्रमण के दायरे में आएगी। अब यह प्रश्न उठता है कि क्या अब 80 फीसद दिल्ली को तोड़ा जाएगा।

-आदमी कागज लेकर दया की भीख मांग रहा है, लेकिन कागज नहीं देखा जा रहा है, सिर्फ बुलडोजर चलाया जा रहा है :अरविंद केजरीवाल

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दूसरी बात यह कि जिस तरीके से अतिक्रमण हटाया जा रहा है। ना कोई कागज है, ना कोई मौका दिया जा रहा है। बुलडोजर लेकर बस किसी भी कॉलोनी में पहुंच जाते हैं और किसी का भी घर या दुकान तोड़ने लग जाते हैं। वो आदमी कागज लेकर सड़क पर खड़ा है। वो चिल्ला रहा है, दया की भीख मांग रहा है कि मेरे कागज तो देख लो। मेरे पास कागज हैं। यह अवैध और अतिक्रमण नहीं है। 40-40 साल से यहां पर रह रहा हूं और मेरे पास कागज भी है, लेकिन कोई कागज नहीं देखा जा रहा है, सिर्फ बुलडोजर चलाया जा रहा है। यह तो सही नहीं है। जिस तरीके से अतिक्रमण हटाया जा रहा है, हम उसके खिलाफ हैं। इनकी प्लानिंग है कि दिल्ली की सारी कच्ची कॉलोनियों को तोड़ा जाएगा। दिल्ली की कच्ची कॉलोनियों में करीब 50 लाख लोग रहते हैं। इनकी प्लानिंग है कि दिल्ली की सारी झुग्गियों को तोड़ा जाएगा। दिल्ली की झुग्गियों में लगभग 10 लाख लोग रहते हैं। इसके अलावा, इन लोगों ने करीब तीन लाख प्रॉपर्टी की लिस्ट बना रखी है, जहां पर इनका कहना है कि किसी ने नक्शे के इतर बालकनी, कमरा आदि बना लिया है, उस अतिक्रमण को तोड़ा जाएगा। इस तरह, करीब 63 लाख लोगों के घर के उपर बुल्डोजर चलेंगे। मैं समझता हूं कि यह आजाद भारत का सबसे बड़ा विध्वंस होगा।

-15 साल से एमसीडी में भाजपा का राज था और आरोप लगता है कि इन्होंने खूब पैसे ले लेकर अवैध अतिक्रमण और बिल्डिंग बनवाई : अरविंद केजरीवाल

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने कहा था कि कच्ची कॉलोनियों के लोगों को मालिकाना हक दिलाया जाएगा। चुनाव से पहले इन लोगों ने कहा था कि जहां-झुग्गी, वहीं मकान बना कर दिया जाएगा और अब इन सबको तोड़ने के लिए आ गए। यह तो सही नहीं है। हम भी अतिक्रमण के खिलाफ हैं और हम नहीं चाहते हैं कि अतिक्रमण होना चाहिए। हम चाहते हैं कि हमारी दिल्ली खूबसूरत होनी चाहिए, हमारी दिल्ली अच्छी होनी चाहिए। लेकिन 63 लाख लोगों को आप बेघर कर दोगे और उनकी दुकानें तोड़ दोगे और उनकी रोजमर्रा की जिंदगी खराब दोगे, यह तो कोई बर्दाश्त नहीं करने वाला है। 15 साल से दिल्ली नगर निगम में भाजपा का राज था। इन 15 सालों में इन्होंने क्या किया? 15 साल में इन्होंने और अवैध अतिक्रमण व अवैध बिल्डिंग बनवाई। आरोप लगता है कि खूब पैसे ले लेकर कराए गए। अब इनका कार्यकाल पूरा हो गया है। 18 मई को इनका कार्यकाल पूरा हो जाएगा। अब सिर्फ दो दिन ही बचे हैं। क्या इनके पास नैतिक संवैधानिक वैध पावर है कि आप इतना बड़ा निर्णय ले सकें। आप चुनाव कराइए। चुनाव बाद जो नई एमसीडी बनेगी, उसको निर्णय लेने दीजिए।

-हम लोग झुग्गी वालों के लिए मकान बना रहे हैं, थोड़ा समय लग रहा है, लेकिन उनको इज्जत की जिंदगी देंगे : अरविंद केजरीवाल

विमान ईंधन हुआ महंगा, बढ़ेगा हवाई किराया

नई दिल्ली (ईएमएस)। विमान ईंधन की कीमतें सोमवार को 5.3 प्रतिशत बढ़ गई है। यह इस साल 10वीं वृद्धि है। वैश्विक ऊर्जा कीमतों में जोरदार तेजी के कारण विमान ईंधन की कीमत उच्चतम स्तर पर है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी में विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमत 6,188.25 रुपए प्रति किलोलीटर या 5.29 प्रतिशत बढ़कर 1,23,039.71 रुपए प्रति किलोलीटर (123 रुपए प्रति लीटर) हो गई है। विमान ईंधन की कीमतों में इस साल यह 10वीं वृद्धि है। विमान ईंधन की कीमतों को हर महीने की पहली और 16 तारीख को संशोधित किया जाता है, जबकि पेट्रोल और डीजल की दरों को हर दिन संशोधित किया जाता है।

ड्रैगन ने नागरिकों के देश छोड़ने पर लगाई रोक, सीमा शुल्क अधिकारी लोगों के पासपोर्ट और ग्रीनकार्ड कर रहे नष्ट

बीजिंग (ईएमएस)। भीषण कोरोना संक्रमण और आर्थिक संकट झेल रहे चीन में खाने-पीने के सामानों को लेकर मारामारी शुरू हो गई है। लोग दहशत में चावल, तेल, नूडल्स, नमक जैसी चीजों को एकट्ठा कर रहे हैं। चीन के वुहान शहर में सबसे पहले सामने आए कोरोना वायरस के घातक स्वरूप के दो साल के अधिक समय बीत जाने के बाद अब भी चीन में कोविड संकट थमा नहीं है। मौजूदा वक्त में देशभर में अभी लगभग 40 करोड़ लोग किसी न किसी रूप में लॉकडाउन में रह रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भीषण कोविड संकट और खस्ता होते आर्थिक हालात के बीच चीन ने अपने नागरिकों को देश छोड़ने पर पाबंदी लगा दी है। रिपोर्ट के अनुसार चीन ने फैसला देश से पैसों को बाहर निकलने से रोकने से बचाने के लिए उठाया है। चीनी मूल की मानवाधिकार कार्यकर्ता जेनिफर ज़ेंग ने एक वीडियो ट्विटर पर शेयर किया है। जिसमें पीपीईकिट पहने कुछ लोग यात्रियों के बैग को छीनते और घसीटते नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही जेंग ने वीडियो के कैप्शव में लिखा है कि चीन का दक्षिणी ग्वांगडोंग प्रांत जुहाई में पता नहीं कि वास्तव में क्या हो रहा है।

ऐसी कई अफवाहें हैं कि कस्टम में लोगों के पासपोर्ट और यहां तक कि ग्रीन कार्ड भी नष्ट किए जा रहे हैं। लोगों के लिए चीन से निकलना मुश्किल होता जा रहा है। जेंग के वीडियो पोस्ट पर एक यूजर ने रिप्लाई करते हुए लिखा है कि यह सच है कि चीन में सीसीपी द्वारा बहुत से लोगों के पासपोर्ट नष्ट कर दिए गए हैं। इसलिए मैं वापस चीन जाने की हिम्मत नहीं करता। पासपोर्ट को नष्ट करने और लोगों की यात्रा को रोकने के लिए वे कई बहाने ढूंढते थे। सब कुछ भयानक और किसी भी समय से भी बदतर है।

रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की सरकार ने ये आधिकारिक घोषणा उस वक्त की है, जब चीन के ही कुछ लोगों ने शिकायत की थी, कि विदेश से चीन लौटने पर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों पर अधिकारी कई घंटों तक उनकी जांच करते रहते हैं। कुछ लोगों ने कथित तौर पर कहा कि, चीनी अधिकारियों ने लोगों के पासपोर्ट और यहां तक कि संयुक्त राज्य के स्थाई निवासियों के ग्रीन कार्ड भी काट दिए।

भारतीय मूल की अर्थशास्त्री डॉ. स्वाति ढींगरा बैंक ऑफ इंग्लैंड की मौद्रिक समिति की सदस्य नियुक्त

लंदन (ईएमएस)। भारतीय मूल की अर्थशास्त्री डॉ. स्वाति ढींगरा ने एक बार फिर ब्रिटेन में अपनी प्रतिभा का परचम फहराया है उन्हें बैंक ऑफ इंग्लैंड की मौद्रिक समिति में बाहरी सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। वह इस पद पर नामित होने वाली भारतीय मूल की पहली महिला हैं। ढींगरा लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स (एलएसई) में अर्थशास्त्र की एसोसिएट प्रोफेसर हैं। उनकी अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र और अनुप्रयुक्त सूक्ष्म-अर्थशास्त्र में विशेषज्ञता है। ढींगरा ने दिल्ली विश्वविद्यालय से पढ़ाई की और दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स से परास्नातक किया। उन्होंने विस्कोंसिन-मेडिसन यूनिवर्सिटी से एमएस और पीएचडी पूरी की थी। वह नौ अगस्त को तीन साल के कार्यकाल के लिए ब्रिटिश केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) में शामिल होंगी। एमपीसी ब्रिटेन की मौद्रिक नीति के बारे में निर्णय लेती है। इसमें बैंक ऑफ इंग्लैंड के गवर्नर, इसके तीन डिप्टी गवर्नर, एक अन्य सदस्य के अलावा चार बाहरी सदस्य शामिल होते हैं।

ब्रिटेन के वित्त मंत्री ऋषि सुनक ने बाहरी सदस्य के तौर पर ढींगरा की नियुक्ति की घोषणा की है। भारतीय मूल के सुनक ने एक बयान में कहा कि ढींगरा अपने साथ समिति में 'मूल्यवान नई विशेषज्ञता' लेकर आएंगी। ढींगरा एमपीसी में शामिल मौजूदा बाहरी सदस्य माइकल सॉन्डर्स की जगह लेंगी, जो अगस्त, 2016 से एमपीसी के सदस्य रहे हैं। ढींगरा ने अपनी नियुक्ति पर कहा, 'समिति का काम बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि महामारी और युद्ध की वैश्विक चुनौतियों के बीच ब्रिटेन को जीवनयापन की असाधारण लागत का सामना करना पड़ रहा है।'

सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। वै?श्विक बाजारों में कीमती धातुमों में तेजी की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। एमसीएक्स पर सोमवार को सोने की कीमत में 0.15 फीसदी की तेजी आई है और इसका भाव बढ़कर 49,947 रुपए प्रति दस ग्राम हो गया है। इसके अलावा चांदी के दाम में 0.38 फीसदी का उछाल आया है और यह 58,558 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। बता दें कि आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है।

एलआईसी आईपीओ आज होगा सूचीबद्ध, निवेशकों की धड़कने ग्रे-मार्केट की अटकलों के चलते तेज

नई दिल्ली (ईएमएस)। लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन का आईपीओ (एलआईसी आईपीओ) आज मंगलवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो जाएगा। इस बीच निवेशकों की धड़कने काफी तेज हो गई हैं, क्योंकि जिन्होंने इसके लिए अप्लाई किया था, उनमें से ज्यादातर लोगों को इसके शेयर मिले हैं। पिछले सप्ताह ग्रे-मार्केट में इसका प्रीमियम लगातार गिरता रहा, तो आशंका जताई जाने लगी कि ये शेयर डिस्काउंट पर लिस्ट न हो जाए। बाजार के जानकारों के आधार पर एलआईसी का शेयर ग्रे-मार्केट में 19 रुपये के डिस्काउंट पर ट्रेड हो रहा है। इसका मतलब है कि यह डिस्काउंट पर ही लिस्ट हो सकता है, मतलब अपने 949 रुपये प्रति शेयर के ऊपरी बैंड से 19 रुपये नीचे।

अनलिस्टेड अरीना के फाउंडर अभय दोषी के हवाले से इस बिजनेस साइट ने लिखा कि इसकी आकर्षक वेल्यू के बावजूद वर्तमान में बाजार की कमजोर वित्तीय स्थितियों के चलते इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। यदि हम मौजूदा सेंटीमेंट्स देखें तो संभवतः यह डिस्काउंट पर लिस्ट हो सकता है। लेकिन यदि लिस्टिंग से पहले मार्केट स्टेबल हो जाती है और सेंटीमेंट्स सुधरते हैं तो इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसलिए, जहां तक लिस्टिंग गेन का सवाल है, तो निवेशकों को इन्हें सीमित रखना चाहिए।

लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन का आईपीओ 4 मई को आम निवेशकों के सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था और यह 9 मई को बंद हुआ। 12 मई को बोली लगाने वालों को शेयर आवंटित किए गए। बिडिंग के लिए 6 दिनों तक खुला एलआईसी का आईपीओ इश्यू साइज से तीन गुना अधिक सब्सक्राइब्ड हुआ था। सरकार ने अपने विनिवेश के लक्ष्य की तरफ चलते हुए 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची है। एलआईसी रिटेल निवेशकों और एलआईसी के कर्मचारियों को प्रति शेयर 45 रुपये की छूट दी गई। वहीं, पॉलिसी होल्डर्स को इसमें 60 रुपये प्रति शेयर की छूट दी गई थी। रिटेल निवेशकों और एलआईसी के कर्मचारियों को जहां प्रति शेयर 904 रुपये में मिला, वहीं पॉलिसी होल्डर्स को प्रति शेयर 889 रुपये पर अलॉट हुआ।

रूस को कूटनीतिक मोर्चे पर लगा तगड़ा झटका, फिनलैंड व स्वीडन ने लिया नाटो में जाने का निर्णय

कीव (ईएमएस)। पूर्वी यूक्रेन में रूसी सेना को यूक्रेनी सैनिकों के कड़े प्रतिरोध के साथ ही मॉस्को को बीते सप्ताहांत कूटनीतिक मोर्चे पर भी तगड़ा झटका लगा है। रूस के अनेक आश्वासनों और धमकियों के बाद भी दो और यूरोपीय देशों ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल होने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। फिनलैंड ने रविवार को नाटो में शामिल होने की योजना का एलान करते हुए कहा कि करीब तीन महीने पहले यूक्रेन पर रूस के युद्ध ने यूरोप का सुरक्षा परिदृश्य बदल दिया है।

इसके कुछ घंटों बाद स्वीडन ने भी कहा कि वह आने वाले दिनों में नाटो की सदस्यता के लिए आवेदन दे सकता है। कदम रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए झटका माने जा रहे हैं, जिन्होंने शीतयुद्ध के बाद पूर्वी यूरोप में नाटो के विस्तार को खतरा करार देते हुए यूक्रेन पर आक्रमण कर दिया था। वहीं, नाटो कहना है कि यह पूरी तरह से रक्षात्मक गठबंधन है।

नाटो के महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग ने बर्लिन में शीर्ष राजनयिकों से मुलाकात करते हुए कहा कि युद्ध वैसा नहीं चल रहा है, जैसा कि मॉस्को ने योजना बनाई थी। यूक्रेन इस युद्ध को जीत सकता है। जानकारों के मुताबिक, रूस ने पूर्वी यूक्रेन में नुकसान जरूर पहुंचाया है, लेकिन वह क्षेत्र में बढ़त बनाने में नाकाम रहा है। रूस और यूक्रेन के लड़ाके यूक्रेन के पूर्वी औद्योगिक क्षेत्र डोनबास में एक-एक गांव के लिए लड़ रहे हैं। यूक्रेन की सेना ने कहा कि उसने डोनबास के दोनेत्स्क क्षेत्र में रूस के एक आक्रमण को रोक दिया है।

वहीं, यूक्रेन ने पूर्वी लुहांस्क क्षेत्र में उन दो रेलवे पुलों को भी ध्वस्त कर दिया है, जिसे रूस की सेना ने अपने कब्जे में लिया था। साथ ही यूक्रेन की सेना ने पूर्वी लिजियम शहर के पास रूस की बढ़त को रोक दिया है। यूक्रेन के खारकीव क्षेत्र के गवर्नर ओलेह सिनेगुबोव ने यह जानकारी दी है। यूक्रेन के दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है, लेकिन पश्चिमी देशों के अधिकारियों ने भी रूस के लिए हालात चिंताजनक होने की ओर इशारा किया है।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने अपने दैनिक खुफिया अपडेट में बताया है कि रूसी सेना फरवरी के अंत में यूक्रेन में युद्ध लड़ने के लिए तय युद्धक क्षमता का एक-तिहाई हिस्सा गंवा चुकी है और वह किसी भी क्षेत्र में खास बढ़त बनाने में नाकाम रही है।

हवाई यात्रा पर महंगाई की मार, पांच महीने में 62 फीसदी बढ़ चुके हैं एटीएफ के दाम

-सोमवार को भी हुई इतनी ही वृद्धि

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोविड महामारी ने सभी क्षेत्रों को प्रभावित किया औ- अब इसके कमजोर पड़ने के बाद उसकी मार से उबर रहे विमानन क्षेत्र पर अब महंगाई का कोप दिखाई दे रहा है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने की वजह से एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) यानी हवाई ईंधन के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सोमवार को हुई ताजी बढ़ोतरी के बाद अब हवाई सफर और महंगा हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने सोमवार को जेट फ्यूल की कीमतों में 5 फीसदी की बढ़ोतरी की है। अब हवाई ईंधन का मूलय 1.3 लाख रुपये प्रति किलोलीटर पहुंच गया है। इसका सीधा असर हवाई सफर करने वाले यात्रियों पर पड़ेगा, क्योंकि विमानन कंपनियां अपनी लागत वसूलने के लिए जल्द ही हवाई किराये में और वृद्धि कर सकती हैं।

हवाई यात्रियों पर महंगे ईंधन का बोझ किस कदर बढ़ रहा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सरकार ने साल 2022 में जनवरी से अब तक हवाई ईंधन की कीमतों में 50,938 रुपये की बढ़ोतरी की है। पिछले साढ़े चार महीने में ही हवाई ईंधन की कीमतों में 61.7 फीसदी की बढ़ोतरी की जा चुकी है। 2022 की शुरुआत में एटीएफ का मूल्य 72,062 रुपये प्रति किलोलीटर था, जो अब बढ़कर 1.23 लाख रुपये पहुंच गया है।

हालांकि, पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों को अभी स्थिर रखा है और करीब 40 दिनों से इसमें कोई बदलाव नहीं किया है। आखिरी बार पेट्रोल-डीजल की कीमत 6 अप्रैल को बढ़ाई गई थी। इससे पहले मार्च में पेट्रोल की कीमत 6.40 रुपये और अप्रैल में 3.60 रुपये प्रति लीटर बढ़ाई गई थी। देश में ईंधन की कुल जरूरत का करीब 80 फीसदी आयात किया जाता है। यही कारण है कि ग्लोबल मार्केट में कीमतें बढ़ने का भारत पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है। तेल कंपनियां भी बाहर से महंगा ईंधन मंगाकर यहां खुदरा मूल्य में बेचती हैं, जिस पर सरकार भी भारी भरकम टैक्स वसूलती है और ईंधन की खुदरा कीमत के दाम काफी बढ़ जाते हैं। एटीएफ की कीमतों में हर 15 दिनों पर बदलाव किया जाता है। इससे पहले 1 मई को हवाई ईंधन के दाम बदले थे।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों को अभी स्थिर रखा है तो सीएनजी के दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने 15 मई को दिल्ली एनसीआर में सीएनजी की कीमत 2 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ा दी है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में सीएनजी 73.61 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई तो नोएडा में यह 76.17 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बिक रही है। इसके अलावा गुरुग्राम में 81.94 रुपये प्रति किलो का मूल्य पहुंच गया है।

गोल्ड बांड की समय से पहले विमोचन दर 5,115 रुपए प्रति इकाई

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय ?रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निर्देशों के अनुसार जारी होने की तारीख से पांच वर्ष बाद गोल्ड बॉन्ड के समय से पहले विमोचन की अनुमति होती है। 17 नवंबर 2016 को जारी एसजीबी 2016-17 की तीसरी श्रृंखला की देय तिथि 17 मई, 2022 है। आरबीआई ने कहा ?कि 17 मई, 2022 से पहले एसजीबी विमोचन के लिए प्रति इकाई 5,115 रुपए का मोचन मूल्य होगा। यह मूल्य नौ से 13 मई के बीच सोने के बंद भाव के औसत के आधार पर है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) दरअसल सरकारी प्रतिभूतियां हैं और यह भौतिक सोना रखने का एक विकल्प हैं। बॉन्ड भारत सरकार की ओर से रिजर्व बैंक द्वारा जारी किया जाता है।

दुनिया की 'सबसे उम्रदराज महिला' ने 50 पोते-पोतियों के साथ मनाया 128वां जन्मदिन

केप टाउन (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका की रहने वाली दुनिया की 'सबसे उम्रदराज महिला' जोहाना माज़िबुको ने 50 पोते-पोतियों के साथ अपना 128वां जन्मदिन मनाया। उनकी इतनी लंबी उम्र के पीछे खान-पान सबसे महत्वपूर्ण रहा है। ताजा दूध और जंगली पालक का कॉम्बिनेशन है जिससे जोहाना इतने लंबे समय तक जिंदा रही हैं। जोहाना के पास दस्तावेज हैं जो बताते हैं कि वह 1894 में पैदा हुई हैं। अपने जीवन में उन्होंने ब्रिटिश राज और दोनों विश्वयुद्ध को शुरू और खत्म होते देखा है।

जोहाना ने बताया कि वह अपने 12 भाई बहनों में सबसे बड़ी थीं। वह मक्के के खेत में रहती थीं। उन्होंने कहा, 'हमने खेतों में काफी अच्छा समय गुजारा। वहां कोई दिक्कत नहीं थी।' टिड्डी दल के एक हमले को याद करते हुए उन्होंने कहा कि इसने हमारे सामने समस्या खड़ी कर दी थी। उन्होंने कहा, 'टिड्डी दल के हमले से हम सब परेशान हो गए। लेकिन इन कीड़ों से छुटकारा पाने के लिए हमारे परिवार ने नया तरीका खोजा। हमने उन्हें पकड़ कर खाना शुरू कर दिया। ये मांस खाने की ही तरह था।' जोहाना ने कहा कि बचपन में वह ताजे दूध और जंगली पालक खाकर पली बढ़ीं। वह आज आधुनिक समय के भोजन खाती हैं, लेकिन वह कहती हैं कि उन्हें उनका सादगी भरा बचपन याद आता है। जोहाना 128 साल की उम्र में भी ठीक से चल फिर सकती हैं। हालांकि उन्हें सुनने में समस्या है, लेकिन उनकी आंखें ठीक हैं। जोहाना कई बार अपने पुराने समय को याद करते हुए बताती हैं कि उन्होंने एक व्यक्ति से शादी की जिसकी पहली पत्नी मर चुकी थी। उसके पास गाय और घोड़े थे। जोहाना दूध से मक्खन बना कर उसे बेचती थीं। जोहाना के सात बच्चे हैं, जिनमें से दो अभी भी जिंदा हैं। जोहाना के 50 पोते-पोती और परपोते हैं। जोहाना के गांव के लोग चाहते हैं कि उनका नाम गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया जाए।

घरेलू स्तर पर हो रहे आर्थिक विकास भी महंगाई के ?लिए जिम्मेदारः आर्थिक विशेषज्ञ

- वैश्विक परिस्थिति के साथ पिछले छह महीनों से मांग में होने वाली बढ़ोतरी भी महंगाई के ?लिए जिम्मेदार

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले चार महीनों से खुदरा महंगाई दर छह फीसद से अधिक चल रही है और अप्रैल महीने में यह दर 7.8 फीसद के साथ पिछले आठ साल के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई। आर्थिक विशेषज्ञों के मुताबिक इस महंगाई के लिए वैश्विक परिस्थिति के साथ घरेलू स्तर पर हो रहे आर्थिक विकास को भी जिम्मेदार माना जा सकता है क्योंकि इससे खपत में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। कंज्यूमर डयूरेबल की खरीदारी के लिए लोन में हो रही बढ़ोतरी, गोल्ड लोन में कमी, मनरेगा के तहत काम मांगने वालों की संख्या में कमी के साथ आयात में होने वाली लगातार बढ़ोतरी घरेलू स्तर पर मांग में मजबूती दर्शा रही है। ??पिछले महीने अप्रैल में आयात बिल से पेट्रोलियम पदार्थ और सोने-चांदी के आयात मूल्य को हटाने के बाद भी अन्य वस्तुओं के आयात में 29.68 फीसद की बढ़ोतरी दिख रही है जो घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग और मांग में मजबूती को दर्शाता है। अप्रैल माह में रिकार्ड जीएसटी कलेक्शन, निर्यात, बिजली की खपत, पेट्रोल-डीजल की खपत एवं हवाई यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी के साथ मैन्यूफैक्चरिंग व सर्विस इंडेक्स में मजबूती आर्थिक विकास को जाहिर कर रहा है। चौदहवें वित्त आयोग के सदस्य रह चुके अर्थशास्त्री सुदिप्तो मंडल कहते हैं कि अभी जो महंगाई है उसके लिए वैश्विक परिस्थिति के साथ पिछले छह महीनों से मांग में होने वाली बढ़ोतरी भी जिम्मेदार है। उन्होंने बताया कि मांग के मुताबिक सप्लाई नहीं बढ़ने से कीमतें बढ़ जाती है। अभी की महंगाई में आयातित महंगाई का भी हाथ है।

वित्त मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले तीन महीनों से कंज्यूमर डयूरेबल वस्तुओं की खरीदारी को लेकर लिए जाने वाले लोन में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इस साल मार्च में इस लोन में पिछले साल मार्च के मुकाबले 60 फीसद की बढ़ोतरी रही। अप्रैल में भी यह रुख जारी है। दूसरी तरफ सोना गिरवी रखकर लिए जाने वाले लोन में कमी आई है। फरवरी में गोल्ड लोन की बढ़ोतरी दर 26.8 फीसद थी जो मार्च में घटकर 21 फीसद रह गई। हालांकि, कई आर्थिक विशेषज्ञ कोरोना काल में सरकार की तरफ से दिए जाने वाले आर्थिक पैकेज को भी इस महंगाई के लिए कुछ हद तक जिम्मेदार मानते हैं। जानकारों के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में सरकार की तरफ से सीधे खाते में दी जाने वाली लाभ राशि में भी बढ़ोतरी रही और उससे भी खपत में इजाफा दिख रहा है।

देश के 74 प्रतिशत राज्यों में शीर्ष स्तर पर पहुंची महंगाई दर, कई प्रदेशों के हालात चिंतनीय

नई दिल्ली (ईएमएस)। महंगाई का तांडव जारी है अप्रैल में देश का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 95 महीने के शीर्ष स्तर पर रहा। 12 मई को जारी आंकड़े के अनुसार, अप्रैल में खुदरा महंगाई दर 7.79 फीसदी थी। यह आरबीआई द्वारा तय महंगाई के संतोषजनक दायरे (2-6 फीसदी) से लगातार चौथे महीने ऊपर रही है। हालांकि, कई राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश में यह देश की कुल महंगाई दर से भी तेजी से बढ़ी है। दादर व नागर हवेली में 9 महीनों से ये औसतन 8.3 फीसदी से ऊपर रही है। यह भारत में किसी भी क्षेत्र में सर्वाधिक खुदरा महंगाई दर है।

सीपीआई डेटा के अनुसार, अप्रैल में खुदरा महंगाई दर कुल 26 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश में 6 फीसदी से ऊपर रही। यह भारत के 35 राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों का करीब 74 फीसदी है। अप्रैल में 9.12 की सर्वाधिक महंगाई दर फीसदी पश्चिम बंगाल में दर्ज की गई। इसके बाद मध्य प्रदेश में यह 9.10 फीसदी और तेलंगाना में 9 फीसदी से थोड़ा ऊपर रही। कुल 13 राज्य व केंद्र शासित प्रदेश ऐसे रहे जिनकी अपनी महंगाई दर भारत की सम्मिलित महंगाई दर से ऊपर निकल गई। केवल मणिपुर (2.29 फीसदी) और गोवा (4.01 फीसदी) ऐसे 2 क्षेत्र रहे जहां महंगाई दर आरबीआई के संतोषजनक दायरे में दर्ज की गई। महंगे ईंधन ने ऊर्जा संबंधी उत्पादों के साथ-साथ उन वस्तुओं के भी दाम बढ़ा दिए हैं जिन्हें ट्रांसपोर्ट के जरिए एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जाता है। अगर ट्रांसपोर्ट में अधिक खर्च होगा तो कई क्षेत्रों में वस्तुओं की आपूर्ति करने में चुनौतियां पैदा होंगी।

पिछली 3 तिमाहियों में सीपीआई मुद्रास्फीति 5.1 फीसदी, 5 फीसदी और 6.3 फीसदी रही है। अगर लगातार 3 तिमाहियों में यह 6 फीसदी से ऊपर रहती है तो इसे केंद्रीय बैंक की नाकामी के रूप में देखा जाता है। महंगे ईंधन ने ऊर्जा संबंधी उत्पादों के साथ-साथ उन वस्तुओं के भी दाम बढ़ा दिए हैं जिन्हें ट्रांसपोर्ट किया जाता है। अगर ट्रांसपोर्ट में अधिक खर्च होगा तो कई क्षेत्रों में वस्तुओं की आपूर्ति करने में चुनौतियां पैदा होंगी।

बलूचों के आक्रमक हमलों से ड्रैगन खौफ में, चीन ने पाकिस्तान से सभी शिक्षकों को स्वदेश बुलाया

कराची (ईएमएस)। चीन की विस्तावादी नीतियों और उसके सांस्कृतिक प्रभाव को फैलाने के इरादों को तगड़ा झटका लगा है। कराची शहर में 3 चीनी शिक्षकों की बलूच विद्रोहियों के आत्मघाती हमले में हत्या करने के बाद अब चीन ने अपने सभी शिक्षकों को पाकिस्तान से वापस बुला लिया है। चीन के ये शिक्षक पाकिस्तान के कई शहरों में खुले कन्फ्यूशियस इंस्टीटयूट में पढ़ा रहे थे। विशेषज्ञों के मुताबिक चीन ने दुनियाभर में जासूसी और सांस्कृतिक प्रभाव बढ़ाने के लिए कन्फ्यूशियस इंस्टीटयूट खोल रखे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कराची में कन्फ्यूशियस इंस्टीटयूट के डायरेक्टर नसीरउद्दीन ने बताया कि चीनी शिक्षक अपने देश लौट गए हैं। उन्होंने बताया कि न केवल कराची से बल्कि पूरे पाकिस्तान में प्रत्येक कन्फ्यूशियस इंस्टीटयूट से चीनी शिक्षक वापस बुला लिए गए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि चीनी टीचर चले भले गए हैं लेकिन इंस्टीटयूट को बंद नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंदारिन भाषा पढ़ाने के लिए पाकिस्तानी शिक्षकों से मदद मांगी गई है।

नसीरउद्दीन ने बताया कि इस इंस्टीटयूट में 500 स्टूडेंट चीनी भाषा की पढ़ाई कर रहे हैं। इस इंस्टीटयूट को साल 2013 में कराची इंस्टीटयूट और चीन के सिचुआन नार्मल यूनिवर्सिटी ने संयुक्त रूप से स्थापित किया था। इंस्टीटयूट का दावा है कि वह एक गैर लाभकारी शैक्षिक संस्था है जिसमें मंदारिन भाषा की पढ़ाई होती है। साथ ही चीनी संस्कृति और चीन तथा पाकिस्तान के लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा दिया जाता है। इस बीच विशेषज्ञों के मुताबिक चीन कन्फ्यूशियस इंस्टीटयूट के जरिए दुनियाभर में सांस्कृतिक प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। साथ ही इसके जरिए चीन उस देश के चर्चित विश्वविद्यालय में हो रहे शोध और अन्य तकनीकों के विकास पर नजर रखता है। इससे जासूसी को भी बढ़ावा देने की भी खबरें आई हैं और यही वजह है कि भारत ने चीनी इंस्टीटयूट को लेकर बहुत सख्त नियम बना दिए हैं। इससे पहले गत 26 अप्रैल को बुर्का पहनी बलूच आत्मघाती महिला ने खुद को उड़ा दिया था जिसमें 3 चीनी शिक्षक मारे गए थे और 4 अन्य घायल हो गए थे। ये शिक्षक कन्फ्यूशियस इंस्टीटयूट में पढ़ाने के लिए चीन से आए थे।

मुख्यमंत्री पटेल 18 मई को वर्ल्ड म्यूज़ियम डे से त्रिदिवसीय कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ कराएँगे

- महात्मा मंदिर में आयोजित होगी वडनगर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल 18 मई बुधवार को वर्ल्ड म्यूज़ियम डे के उपलक्ष्य में महात्मा मंदिर में आयोजित होने वाली वडनगर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ कराएँगे। केन्द्रीय सांस्कृतिक राज्य मंत्री मिनाक्षी लेखी तथा विभिन्न देशों के यूनेस्को के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। यह कॉन्फ्रेंस 18 से 20 मई तक चलेगी। इस तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन गुजरात सरकार के खेल-कूद, युवा एवं सांस्कृतिक विभाग तथा केन्द्रीय सांस्कृतिक मंत्रालय के संयुक्त उपक्रम से किया गया है। वडनगर के पुरातन ऐतिहासिक महत्व, स्थापत्य-धरोहर, नगर रचना जैसे महत्वपूर्ण विषयों को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विश्व समुदाय के समक्ष उजागर कर वडनगर को 'लैण्ड मार्क हेरिटेज डेस्टिनेशन' के रुप में विकसित करने की रणनीति एवं आपसी वैचारिक आदान-प्रदान के लिए यह इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस एक प्लेटफ़ॉर्म बनेगी। गुजरात सरकार के खेल-कूद, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि विभाग तथा संग्रहालय निदेशक के उपक्रम से आयोजित होने वाली इस कॉन्फ्रेंस के सफल आयोजन के लिए राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी के दिशा-निर्देश में समग्र विभाग निरंतर कार्यरत् है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा तथा मार्गदर्शन में मनाए जा रहे आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित होने वाली वडनगर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री की जन्मभूमि वडनगर की पुरातत्वीय वैभव विरासत को विविधतापूर्ण पर्यटन धाम के रूप में विकसित करने पर सामूहिक विचार-मंथन होगा। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न विषयों के जो चर्चा सत्र आयोजित होने जा रहे हैं, उनमें वडनगर के इतिहास, विरासत तथा सांस्कृतिक महत्व, वडनगर के पुरातत्वीय स्थल, जल प्रबंधन, जल संग्रह की परम्परागत पद्धतियों, बुद्धिस्ट हेरिटेज, पुरातत्वीय संग्रहालयों के विकास के लिए वैश्विक संभावनाओं आदि का समावेश किया गया है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय स्तर के लगभग 8 तथा राष्ट्रीय स्तर के लगभग 20 वक्ता, यूनेस्को के प्रतिनिधि, साहित्यकार, इतिहासविद्, पुरातत्वविद्, वडनगर के नगरजन, सेप्ट यूनिवर्सिटी, आईआईटी-गांधीनगर, डेक्कन कॉलेज-पुणे सहित विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि, युवा विद्यार्थी सहित लगभग दो हज़ार से अधिक लोग सहभागी होंगे। तीन दिवसीय वडनगर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के अन्य आकर्षणों में भारत सरकार के पुरातत्व विभाग द्वारा आर्ट फ़ैक्ट्स एग्ज़ीबिशन, वडनगर चार्टर ऑन हेरिटेज टूरिज़्म, फ़ाइन आर्ट्स के विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए वडनगर के विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत करने वाले स्कैच चित्रों की प्रदर्शनी के अतिरिक्त कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन यानि 20 मई को वडनगर के दर्शनीय स्थानों की प्रत्यक्ष मुलाक़ात का भी आयोजन किया गया है।

राज्य सरकार को 1.83 करोड़ की चपत लगाने वाला आरटीओ का हेड कैशियर गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात सरकार को 1.83 करोड़ रुपए की चपत लगाने वाले पूर्व अहमदाबाद के वस्त्राल आरटीओ के हेड कैशियर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। करीब 10 महीनों तक कैशियर सरकारी रुपए अपने जेब में भरता रहा। ऑडिट में इसका खुलासा होने के बाद पुलिस ने केस दर्ज किया और उसे दबोच लिया। जानकारी के मुताबिक पूर्व अहमदाबाद के वस्त्राल स्थित आरटीओ का कचहरी के हेड कैशियर एमएन प्रजापति ने 1 अप्रैल 2021 से 5 फरवरी 2022 के दौरान 1.83 करोड़ रुपए की सरकार को चपत लगाई। हांलाकि ऑडिट में इसका खुलासा होने के बाद कई किश्तों में 94 लाख रुपए की हेड कैशियर प्रजापति ने भरपाई कर दी। शेष 89 लाख रुपए की रकम जमा नहीं किए जाने पर हेड कैशियर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। रिपोर्ट दर्ज होने से पहले ही आरोपी फरार हो गया था। हांलाकि अब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। जांच में पता चला कि आरोपी प्रजापति एक दिन में 35 से 40 रशीदें काटता था, लेकिन रजिस्टर में केवल 20 रशीदें बताकर अन्य रुपए अपनी जेब में रख लेता। ऑडिट में ऐसी 28 जितनी रिपोर्ट ऐसी आई है, जिसमें आरटीओ टेक्सकी आय रजिस्टर में कम बताकर सरकारी रुपयों की चोरी की गई। यह सिलसिला 10 महीनों तक इसलिए चलता रहा क्योंकि समय पर ऑडिट और जांच नहीं की गई और आरोपी बेखौफ होकर राज्य सरकार को चूना लगाता रहा। आरोपी प्रजापति से अब भी 89 लाख की रिकवरी करना बाकी है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके रिमांड प्राप्त करने की दिशा में कार्यवाही शुरू की है।

पीएम मोदी के गुजरात दौरे में बदलाव, 29 के बजाए 28 मई को आएंगे गुजरात

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। भाजपा, कांग्रेस और आप समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं का गुजरात में आवागमन बढ़ गया है। ऐसे में फिर एक बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। पीएम मोदी के पहले के निर्धारित कार्यक्रम में बदलाव हुआ है। पीएम मोदी 29 मई के बजाए 28 मई को गुजरात आएंगे। 28 मई को पीएम मोदी गांधीनगर में आयोजित सहकार महा सम्मेलन को संबोधित करेंगे और उसके बाद राजकोट में पाटीदार ग्लोबल अस्पताल का लोकार्पण करेंगे। पाटीदार समाज ट्रस्ट की ओर से 40 करोड़ की लागत से 200 बेड वाला मल्टीस्पेशियालिटी अस्पताल के निर्माण कराया गया है। इस मौके पर पीएम मोदी 2 लाख से अधिक पाटीदारों को भी संबोधित करेंगे। पाटीदार ग्लोबल अस्पताल के लोकार्पण के लिए पीएम मोदी को आमंत्रित किया गया। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से लोकार्पण कार्यक्रम का ब्यौरा भी मांगा गया है। गौरतलब है कि सौराष्ट्र में पाटीदार फेक्टर काफी महत्व पूर्ण है और उन्हें अपने पाले में करने की हर राजनीतिक दल कोशिश कर रहा है। ऐसा लगता है कि पीएम मोदी ने पाटीदारों को रिझाने की जिम्मेदारी ली है। शायद इसीलिए पिछले काफी समय से एक के बाद एक पाटीदार समाज के कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे हैं। कुछ दिन पहले सूरत के सरथाणा में आयोजित ग्लोबल पाटीदार बिजनेस समिट 2022 का पीएम मोदी ने वर्च्युअली उद्घाटन किया था। गत 15 अप्रैल को कच्छ में 150 करोड़ रुपए के खर्च से निर्मित केके पटेल सुपर स्पेशियालिटी अस्पताल का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्च्युअली उद्घाटन किया था। पाटीदारों के जूनागढ़ गढ़ीला माताजी के कार्यक्रम में भी पीएम मोदी ने वर्च्युअली शिरकत की थी। अब राजकोट में पाटीदार समाज की ओर से नवनिर्मित ग्लोबल पाटीदार स्पेशियालिटी अस्पताल का लोकार्पण करने जा रहे हैं।

दिल्ली अग्नि दुर्घटना के मृतकों के परिजनों को मोरारीबापू की सहाय

दो दिन पहले दिल्ली के मुंडका इलाके की एक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में 27 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर है। आग इतनी भीषण थी कि मृतकों की पहचान करना मुश्किल हो गया। पूज्य बापू ने इस दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को पांच हजार रुपये की सहायता भेजने को कहा है। अब तक जिनकी पहचान हुई है, उनके परिवारों को यह सहायता दिल्ली स्थित राम कथा के श्रोताओं द्वारा की जा रही है। मृतक की पहचान होने पर उनके परिवारों को सहाय दी जाएगी। इस सहायता की कुल राशि एक लाख पैंतीस हजार जितनी हो रही है।

पूज्य बापू ने सभी मृतकों के निर्वाण के लिए प्रार्थना की है और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

पीएनबी मेटलाइफ डेंटल ओपीडी बेनिफिट्स के साथ डेंटल केयर प्लान लॉन्च करने वाली पहली जीवन बीमा कंपनी बनी

मुंबई, 16 मई, 2022- ग्राहकों को केंद्र में रखते हुए इनोवेशन की दिशा में लगातार कदम उठाते हुए अग्रणी जीवन बीमा कंपनी पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (पीएनबी मेटलाइफ) ने पीएनबी मेटलाइफ डेंटल केयर प्लान लॉन्च किया है, जो कि आज के ग्राहक की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिहाज से एक अनूठी योजना है।

यह भारत में पहली बीमा योजना है जो निश्चित-लाभ वाले आउट पेशेंट संबंधी खर्चों को कवर करती है और ओवरऑल डेंटल हेल्थ से संबंधित लागतों के साथ वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इस बीमा प्लान के साथ पीएनबी मेटलाइफ डेंटल ओपीडी बेनिफिट्स के साथ डेंटल केयर प्लान लॉन्च करने वाली पहली जीवन बीमा कंपनी बन गई है। यह पहला स्टैंडअलोन डेंटल हेल्थ इंश्योरेंस प्लान अस्पताल में भर्ती होने की परेशानी के बिना प्रमुख डेंटल प्रोसीजर्स को कवर करता है।

एलाइड मार्केट रिसर्च के डेटा से संकेत मिलता है कि भारतीय दंत चिकित्सा बीमा उद्योग 2030 तक 3.65 बिलियन अमरीकी डालर का होगा। इंडियन नेशनल ओरल हेल्थ सर्वे के अनुसार, 90 प्रतिशत वयस्कों में ओरल हेल्थ संबंधी समस्याएं हैं और ज्यादातर लोग मसूड़ों का संक्रमण, क्षय, दांतों का गिरना, दांतों का ढीला होना और महत्वपूर्ण डेंटल इन्फेक्शन और वस्क्युलर डेमेज के उपचार के लिए डेंटिस्ट से संपर्क करते हैं। कई अध्ययनों में दंत स्वास्थ्य को मधुमेह और स्ट्रोक जैसे कुछ पुराने विकारों से भी जोड़ा गया है।

बार बार लक्ष्मण रेखा लांघने का मतलब हार्दिक पटेल को काम नहीं करना है : मोढवाडिया

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रमुख अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि पार्टी में किसी को रैली करनी है, कोई कार्यक्रम करना है, पत्रकार परिषद करनी है या आगे आकर जिम्मेदारी लेने कोई रोक नहीं रहा। हांलाकि इसके लिए सभी लक्ष्मण रेखा में रहना होगा। किसी के बार बार लक्ष्मण रेखा लांघने मतलब है उसे काम नहीं करना है। अर्जुन मोढवाडिया ने हार्दिक पटेल को लेकर यह बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हार्दिक पटेल के बड़ी जिम्मेदारी दी गई है, जिसे उन्हें निभाते हुए लाखों कार्यकर्ताओं की उम्मीदों को पूरा करना चाहिए। इसके बजाय हार्दिक पटेल बार बार पार्टी या कार्यकर्ताओं को दोषी ठहराते हैं, जो स्वीकार नहीं किया जा सकता। कांग्रेस पार्टी सभी को सुधरने का अवसर देती है और अगर कोई लक्ष्मण रेखा लांघने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही भी करती है। कांग्रेस काम करने या नेतृत्व करने से किसी को नहीं रोकती। अगर किसी को पार्टी छोड़नी है तो उसका फैसला भी उसी करना चाहिए। पद मिलने के बाद किसी का बार बार सम्मान मिले यह जरूरी नहीं है। बता दें कि गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पिछले काफी समय से पार्टी से नाराज चल रहे हैं और मीडिया के समक्ष इसका इजहार भी कर चुके हैं। बीते दिन दिन गुजरात कांग्रेस के प्रभारी रघु शर्मा ने हार्दिक पटेल को पार्टी के अनुशासन में रहने की सलाह देती थी। साथ ही अगर कोई समस्या है तो पार्टी फोरम में कहने की हिदायत दी थी। गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रमुख अमित चावड़ा ने भी हार्दिक पटेल कड़े प्रहार करते हुए कहा कि पार्टी ने उन्हें बहुत दिया है। हार्दिक पटेल ने रविवार को नरेश पटेल के साथ बैठक के बाद कहा था कि कांग्रेस को हमने बहुत कुछ दिया है। जबकि कांग्रेस से उन्हें कुछ नहीं मिला। कांग्रेस के बयान पर अमित चावड़ा ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। गुजरात कांग्रेस के एक और पूर्व प्रमुख भरतसिंह सोलंकी ने कहा कि मैं पार्टी का एक कार्यकर्ता हूं और हार्दिक पटेल बड़े नेता हैं। अब उन्हें अनुशासन में रहने की सलाह कैसे दे सकता हूँ। उन्होंने कहा कि हार्दिक पटेल के बारे में कोई सवाल उन्हीं से पूछो तो बेहतर होगा। कांग्रेस के संविधान के मुताबिक पार्टी चलती है और इसके लिए कांग्रेस सक्षम है। जरूरत हुई तो जो भी फैसला करना होगा कांग्रेस नेतृत्व समय आने पर करेगा।

भरुच एलसीबी ने दो शख्सों को हथियारों के साथ गिरफ्तार, दहेज में थी हत्या की योजना

भरुचा (ईएमएस) भरुचा एलसीबी ने नर्मदा चौराहे के निकट से पंजाब के मूल निवासी दो शख्सों को हथियारों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े शख्सों की दहेज में कुछ दिन पहले हुए झगडे की रंजिश में किसी की हत्या करने की योजना थी। लेकिन पुलिस की सतर्कता ने आरोपी घटना को अंजाम देते उससे पहले ही धर लिए गए। भरुच जिले के दहेज में तीन-चार दिन पहले दो गुटों के बीच झगड़ा हुआ था। जिसमें एक गुट ने दूसरे को बाहर से हथियार मंगवाकर हत्या करने की धमकी दी थी। दूसरे गुट ने दहेज पुलिस थाने में इसकी शिकायत कर दी और बताया कि पहले गुट के शख्स हथियार लेने पंजाब गए हैं और वहां से भरुच आनेवाले हैं। इस जानकारी के बाद भरुच एलसीबी ने नर्मदा चौराहे के निकट से दो संदिग्ध शख्सों को रोक उनके ट्रावेलिंग बैग की जांच की। जिसमें से देशी पिस्तौल और तमंचा, मेगजीन और 9 कारतूस समेत 66900 रुपए का माल सामान बरामद हुआ। जिसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए दोनों शख्स पंजाब के मूल निवासी 25 वर्षीय दिलप्रीतसिंह उर्फ मुहब्बातप्रीत दिवानसिंह और 25 वर्षीय अजयपाल नरेन्द्रसिंह फिलहाल दहेज में रहते हैं। दो दिन पहले दहेज में दो गुटों के बीच झगड़ा हुआ था, जिसमें एक गुट ने दूसरे को पंजाब से हथियार मंगवाकर जान से मार देने की धमकी दी थी। दूसरे गुट की धमकी से डरे पहले गुट के व्यक्ति ने पुलिस थाने में इसकी शिकायत कर दी। जिसके आधार पर पुलिस ने दो शख्सों को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि सुखप्रीतसिंह संधु नामक शख्स को वांटेड घोषित कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

आई-क्रिएट में केंद्रीय गृह मंत्री और मुख्यमंत्री के समक्ष गिफ़्ट सिटी के विकास कार्यों का दिया गया प्रेजेंटेशन

अहमदाबाद (ईएमएस) अहमदाबाद ज़िले में स्थित आई-क्रिएट (इंटरनेशनल सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप एंड टेक्नोलॉजी) में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष गिफ़्ट सिटी के विकास कार्यों का प्रेजेंटेशन दिया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सोमवार की शाम आई-क्रिएट का दौरा करने पहुँचे, जहाँ गिफ़्ट सिटी के निदेशक तपन रे ने प्रेजेंटेशन द्वारा गिफ्ट सिटी में चल रहे विकास कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर घ्इएण के चेयरमैन आई. श्रीनिवासन ने वीडियो कॉन्फ़्रेंस के माध्यम प्रेजेंटेशन देते हुए गिफ़्ट सिटी को ग्लोबल फाइनेंशियल हब (वैश्विक वित्तीय केंद्र) के रूप में स्थापित करने के लिए विभिन्न सुझाव दिए। इस प्रेजेंटेशन के समय गुजरात के मुख्य सचिव पंकज कुमार, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के कैलाशनाथन, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव पंकज जोशी और अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

विंग्स अस्पताल आईवीएफ को समझता है

इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) तकनीक के लिए अपने स्वयं के शुक्राणु या पुरुष शुक्राणु को चुनने का महत्व

अहमदाबाद, 19 मई, 203: इंडियन सोसाइटी ऑफ असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्निक्स (एआरटी) के एक अनुमान के मुताबिकवर्तमान में कुल भारतीय आबादी का 10-15% बांझपन से पीड़ित है। इनमें से कई दरें शहरी क्षेत्रों में जया बांझपन के इस दर्द से प्रभावित हर 6 जोड़ों में से 1 है। आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्तमान स्तर पर लगभग 25 लाख भारतीय जोड़े बांझपन के कारण सक्रिय रूप से गर्भ धारण करने की कोशिश कर रहे हैं। इसी तरह, संयुक्त राज्य अमेरिका में, 15 से 6 साल की उम्र के बीच की विषमलैंगिक महिलाओं में से 5 में से 1 (19%) गर्भवती नहीं हो सकती हैं। इसके अलावा, इनमें से 5 में से 1 (2%) महिलाओं को गर्भधारण करने में कठिनाई होती है। जिसे बिगड़ा हुआ उर्वरता कहते हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि बांझपन अब एक निजी मामला नहीं है। और यह अचानक, सामाजिक और पारस्परिक गड़बड़ी के कारण धीरे-धीरे एक भयानक रूप लेता जा रहा है।

विशेषज्ञ एमडी स्त्री रोग विशेषज्ञ आईवीएफ विशेषज्ञ और विंग्स आईवीएफ समूह के नैदानिक निदेशक डॉ। जयेश अमीन बताते हैं कि उनके शुक्राणु के साथ गर्भावस्था क्यों महत्वपूर्ण है?

विंग्स आईवीएफ अस्पताल में हम खुद के अंडे की गर्भावस्था के अपने दर्शन में विश्वास करते हैं। इसलिए, हमारे बांझपन विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, प्रसूति रोग विशेषज्ञ और उन्नत सेट-अप, जोड़ों को अपने स्वयं के शुक्राणु या शुक्राणु के साथ गर्भ धारण करने का अवसर प्रदान करते हैं। हम अपना इलाज शुरू करने से पहले गुणवत्ता और मात्रा का मूल्यांकन करना सुनिश्चित करते हैं। हमारा उपचार आपके सर्वोत्तम शुक्राणु का उपयोग करके एक सफल गर्भावस्था प्राप्त करने में आपकी मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

भारत में अब आधुनिक जीवनशैली ने हमारी सदियों पुरानी जीवनशैली को बदल दिया है। तेजी से हो रहे शहरीकरण, जंक फूड खाने, घंटों मोबाइल फोन पर बैठे रहने, नौकरी का दबाव, वाहन प्रदूषण और कम उम्र में मां बनने के फैसले ने हमारे हार्मोन के काम करने के तरीके को बदल दिया है।

केंद्र सरकार ने अमृत 2.0 योजना के तहत गुजरात के पहले चरण में विभिन्न कार्यों के लिए 5128 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को दी मंजूरी

अहमदाबाद (ईएमएस) केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने अटल कायाकल्प एवं शहरी परिवर्तन मिशन 2.0 (अमृत 2.0) के अंतर्गत पहले चरण के कार्यों के लिए गुजरात सरकार के 5128 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उल्लेखनीय है कि देश के शहरों और महानगरों में सौ फीसदी जलापूर्ति तथा भूमिगत सीवरेज की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने अमृत 2.0 मिशन शुरू किया है। गुजरात शहरी विकास मिशन (जीयूडीएम) द्वारा 'स्टेट वाटर एक्शन प्लान' के पहले चरण में राज्य की 8 महानगर पालिकाओं और 156 नगर पालिकाओं के लिए भेजे गए इस प्रस्ताव में जलापूर्ति के 206, भूमिगत सीवरेज योजना के 70, तालाब नवीनीकरण के 68 और उद्यानों के 68 कार्य समेत कुल 412 कार्य शामिल हैं। स्टेट हाई पावर स्टीयरिंग कमेटी में रखे गए इस प्रस्ताव को राज्य सरकार ने केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय की एपेक्स कमेटी के समक्ष हाल ही में प्रस्तुत किया था। एपेक्स कमेटी ने जीयूडीएम के इस पूरे प्रस्ताव को स्वीकार कर अमृत 2.0 के अंतर्गत पहले चरण के 412 कार्यों को समाविष्ट करने के लिए 5128 करोड़ रुपए की रकम को मंजूरी दी है। इस संदर्भ में अब सभी कार्यों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने तथा तकनीकी अनुमोदन प्राप्त करने के बाद विभिन्न कार्यान्वयन संस्थान चरणबद्ध तरीके से इन कार्यों को अमलीजामा पहनाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अक्टूबर, 2021 में अमृत 2.0 योजना को पांच वर्षों के लिए लॉन्च किया था। इसके अंतर्गत राज्य की महानगर पालिकाओं और नगर पालिकाओं में सौ फीसदी जलापूर्ति तथा 31 अमृत शहरों में सौ फीसदी भूमिगत सीवरेज योजना की व्यवस्था करने का लक्ष्य तय किया गया है। गुजरात शहरी विकास मिशन ने इस उद्देश्य से स्टेट वाटर एक्शन प्लान के अंतर्गत 15 हजार करोड़ रुपए के कार्यों को 3 चरणों में शुरू करने की विस्तृत कार्य योजना बनाई है। जिसके अनुसार, पहले चरण में 5128 करोड़ रुपए के 412 कार्यों को केंद्र सरकार की त्वरित मंजूरी मिलने से राज्य के शहरों और महानगरों में जल प्रबंधन के कार्यों में तेजी आएगी और राज्य के शहर व महानगर केंद्र एवं राज्य की 'डबल इंजन' वाली सरकार की सहायता से जल आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को साकार करेंगे।

मैं कांग्रेस का कार्यकर्दा हूं और हार्दिक पटेल नेता, उन्हें मैं सलाह नहीं दे सकता : भरतसिंह

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल की नाराजगी को लेकर बीते दिन पार्टी के प्रदेश प्रभारी रघु शर्मा ने उन्हें अनुशासन में रहने की नसीहत दी थी। बाद में गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रमुख अमित चावडा ने कहा कि पार्टी ने हार्दिक को बहुत कुछ दिया है। अब कांग्रेस के और एक पूर्व प्रमुख भरतसिंह सोलंकी ने हार्दिक पटेल पर तंज कसा है। सोलंकी ने कहा कि मैं कांग्रेस का एक कार्यकर्ता हूं, जबकि हार्दिक पटेल नेता हैं, जिन्हें मैं कोई सलाह नहीं दे सकता। गौरतलब है कि गुजरात विधानसभा के चुनाव निकट आ रहे हैं और गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल की नाराजगी बरकरार है। हार्दिक पटेल आए दिन कांग्रेस से कुछ नहीं मिला होने का बयान देते हैं। जिसे लेकर गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रमुख भरतसिंह सोलंकी ने कहा कि हार्दिक पटेल के बारे में हार्दिक पटेल से पूछना बेहतर होगा। कांग्रेस सक्षम है और जहां फैसला करने की जरूरत होगी वहां करेगी। कांग्रेस संविधान के मुताबिक नेतृत्व करेगी। उन्होंने कहा कि मैं तो कांग्रेस का एक कार्यकर्ता हूं जबकि हार्दिक पटेल नेता हैं। उन्हें सलाह देने में कहां जाऊँ। बता दें कि बीते दिन राजकोट के कागवड स्थित खोडलधाम में नरेश पटेल, हार्दिक पटेल, अल्पेश कथीरिया और दिनेश बांभणिया के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक हुई थी। बैठक के बाद कांग्रेस से नाराजगी को लेकर हार्दिक ने कहा कि कांग्रेस के लिए हमने बहुत काम किया है, जबकि पार्टी से उन्हें कुछ नहीं मिला। हार्दिक ने कहा कि पार्टी से हम पद नहीं काम मांग रहे हैं। अगर कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है तो उसकी एक जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक मेरी समस्याओं का समाधान नहीं होता तब तक उदयपुर की चिंतन शिविर में जाने का कोई मतलब नहीं है।

प्रदेश कांग्रेस चार चरणों करेगी 'गुजरात मांगे रोजगार', पहला चरण आज गांधीनगर से प्रारंभ

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस रोजगार को लेकर युवाओं की आवाज बुलंद करने के लिए कल से खास कार्यक्रम शुरू करने जा रही है। यह कार्यक्रम चार चरणों में होगा और चार महीनों तक चलेगा। प्रधानमंत्री ने 2 करोड़ रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन आज युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा। गुजरात में सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 364252 बेरोजगार दर्ज हैं। जिसमें 346436 शिक्षित और 17816 अर्धशिक्षित बेरोजगार हैं। ऐसे में गुजरात के युवाओं के आक्रोश को बुलंद करने के उद्देश्य से गुजरात मांगे रोजगार किया जाएगा। गुजरात युवक कांग्रेस के प्रमुख विश्वनाथसिंह वाघेला के मुताबिक चार चरणों में चलने वाले चार चरणों के 'गुजरात मांगे रोजगार' अभियान के पहले चरण की शुरुआत 17 मई को गांधीनगर से होगी। पहले चरण में 'रोजगार कहां है?' के अंतर्गत गुजरात के सभी जिला स्थित श्रम एवं रोजगार कचहरी का घेराव किया जाएगा और इसकी शुरुआत 17 मई को गांधीनगर से होगी। दूसरा चरण में 10 जुलाई 2022 को 'बेरोजगार सभा और रोजगार मांग पत्र' के तहत गुजरात के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बेरोजगार सभा का आयोजन किया जाएगा और 'रोजगार मांग पत्र' फार्म भरवाए जाएंगे। 15 अगस्त 2022 से तीसरा चरण शुरू होगा और 'बेरोजगार रैली' के अंतर्गत के सभी विधानसभा क्षेत्र व मंडलवार युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए बाइक रैली निकालकर कलेक्टर को ज्ञापन देना तथा युवाओं को रोजगार देने का आवाज बुलंद किया जाएगा। अभियान का चौथा चरण 17 सितंबर से प्रारंभ होगा। 17 सितंबर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म दिन है और दिन को गुजरात में राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस के रूप में मनाया जाएगा। गुजरात युवक कांग्रेस द्वारा राष्ट्रीय बेरोजगारी रजिस्टर जारी कर प्रधानमंत्री को 1 लाख 'गेट वेल सुन' कार्ड भेजकर उन्हें राज्यभर में चल रही अन्य गतिविधियों से अवगत कराया जाएगा।

अहमदाबाद के रामोल क्षेत्र में नाबालिग के साथ बलात्कार

पीड़िता ने अपने सौतेले पिता और फूफा के खिलाफ शामोल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

अहमदाबाद, १६ मई ।

अहमदाबाद शहर के शमोल इलाके में रहने वाली १४ साल की नाबालिग जब घर में अकेली थी तो उसके सौतेले पिता ने उसके अकेलेपन का फायदा उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। इतना ही नहीं, सौतेले पिता को जब अहमदाबाद से बाहर जाना था तो वह अपनी नाबालिग बेटी को बहन के घर छोड़ गया था। इस बीच उसके फूफा ने भी पीड़िता के साथ बलात्कार कर अश्लील वीडियो बनाया था। जिसके बाद पीड़िता ने अपने सौतेले पिता और फूफा के खिलाफ शमोल थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शमोल में एक महिला अपनी १४ वर्षीय नाबालिग लड़की के अपने तीसरे पति के साथ रह रही थी। महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज होने की वजह से उसे जेल हो गई थी। वह इन दिनों सेंट्रल जेल में बंद है। जिसकी वजह से उसकी नाबालिग बेटी सौतेले पिता के साथ रहती थी। २ महीने पहले जब सगीर घर पर अकेली थी तो उसके सौतेले पिता ने अकेलेपन का फायदा उठाकर नाबालिग के साथ १० बार रेप किया। उसके बाद उसे अहमदाबाद से बाहर जाना था तो वह अपनी नाबालिग बेटी को बहन के घर छोड़ गया था। जहां उसके फूफा ने भी उसे अपने हवस का शिकार बनाया था।

इतना ही नहीं फूफा अश्लील वीडियो बनाकर उसे समय-समय पर ब्लैकमेल कर बलात्कार करता था। जिसके बाद इन सभी से परेशान होकर नाबालिग पीड़िता ने अपने सौतेले पिता और फूफा के खिलाफ शमोल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

अहमदाबाद के एसजी हाईवे पर

साइड में खड़े डंपर की चपेट में आने से छात्रा की मौत

अहमदाबाद, १६ मई ।

अहमदाबाद में एसजी हाईवे पर एक और होनहार छात्रा की मौत हो गई है. डंपर और एक्टिवा की टक्कर में छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई । हादसा उस समय हुआ जब गणपति विश्वविद्यालय की एक छात्रा एसजी हाईवे पर जाइडस अस्पताल के पास से गुजर रही थी । हेल्मेट पहनने के बाद भी छात्रा की मौत हो गई ।

अहमदाबाद के एसजी हाईवे पर सुबह ६.३० बजे दर्दनाक हादसा हुआ, जाइडस ब्रिज पर हुए हादसे में निकिता पंचाल नाम की छात्रा की मौत हो गई । एक्टिवा डंपर के पिछले हिस्से से टकरा गई, जिससे छात्र की मौके पर ही मौत हो गई । हेल्मेट पहनने के बावजूद छात्रा की जान नहीं बची । मिल रही जानकारी के अनुसार छात्रा गणपत विश्वविद्यालय में पढ़ती थी । जिसकी जानकारी मिलते ही गणपत विवि के प्राध्यापक व कर्मचारी मौके पर पहुंच गए है ।

पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि हादसा कैसे हुआ. पुल के ऊ पर सड़क के किनारे रेत से भरा डंपर खड़ा था या फिर चल रही थी, अगर डंपर पुल के ऊ पर साइड में खड़ा था तो उसे क्यों खड़ा किया गया, यह जांच का विषय है । लेकिन हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया है । फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है ।

१७ हजार कुओं को जिंदा किया

पालनपुर के २०० परिवार २० साल से बारिश का पानी सहेज रहे

पालनपुर, १६ मई ।

जलसंकट और सूखे जैसी स्थिति से जूझने वाला उत्तर गुजरात का एक शहर है पालनपुर । स्वाध्याय परिवार से जुड़े २०० परिवार यहां जो करते हैं, वो गुजरात ही नहीं, पूरे देश के लिए मिसाल है । पिछले २०-२२ साल से ये परिवार सिर्फ बरसात में जमा किया गया पानी ही पीते हैं । इन २० वर्षों में किसी ने न टैंकर मंगवाया और न ही कोई फ्रिज का पानी इस्तेमाल करता है ।

हर घर ने बरसाती पानी संग्रह करने के लिए तलघर में टंकियां बना रखी हैं । इन टंकियों को साल में सिर्फ एक बार खोला और साफ किया जाता है । भास्कर ने पानी की गुणवत्ता जांचने के लिए इसका लैब टेस्ट भी कराया । रिपोर्ट में पता चला कि यह पानी पूरी तरह से पीने योग्य है और इसमें क्कल वैल्यू व ञ्छह्र भी आसपास के पानी से बेहतर है ।

दो दशक से पानी सहेज रहे बीएएमएस डॉक्टर महेश अखानी बताते हैं कि पहले उनके पिता इसी तरह पानी संग्रह करते थे । उनका परिवार कई दशकों पहले राजकोट में रहता था । वहां भीषण जलसंकट था । जब उन्होंने गुरूमाता से इस समस्या पर चर्चा की, तो उन्होंने बताया कि गीता में ही इसका निदान छिपा है । गुरूमाता ने उदाहरण देते हुए कहा कि ऊं करग्रे वसते लक्ष्मी:, करमध्ये सरस्वती । करमूले च गोविंद: प्रभाते कुरुदर्शनम् । हम रोज सुबह यह श्लोक पढ़ते हैं और पृथ्वी को प्रणाम करते हैं । पृथ्वी हमारी माता है, आकाश लोक से पानी पृथ्वी के लिए आता है पर संरक्षण नहीं होने के कारण वे व्यर्थ हो जाता है ।

उसका संरक्षण धरती माता की गोद में किया जाना चाहिए । राजकोट के आस पास के सभी परिवारों ने इस बात को समझा और शुरुआती दौर में करीब १७ हजार से ज्यादा कुएं और छोटे तालाबों को जोड़कर जल संरक्षण का कार्य शुरू किया ।

अखानी ने बताया कि मात्र पालनपुर और उसके आस-पास की करीब १२०० परिवार इसी समुदाय के हैं, पर फ्लैट या छोटे घरों में रहने के कारण वे ऐसा नहीं कर पाते । पर जिनके पास जमीन से जुड़ा घर है वे जरूर पानी सहेजते हैं । अखानी इस समुदाय के मुखिया भी हैं, उनके मुताबिक करीब २०० से ज्यादा परिवार ३० लाख लीटर तक पानी सालाना संग्रहित कर लेते हैं ।

टीचर वसंत ठक्कर ने बताया कि नक्षत्र देखकर हम पानी संग्रह करने का काम करते हैं । बारिश शुरू होते ही हम तैयारी कर लेते हैं । सबसे अच्छा नक्षत्र आद्रा माना जाता है, इस दौरान बारिश नहीं हुई तो मघा, फिर श्लेषा और फिर रोहिणी में भी पानी रख सकते हैं । कोशिश रहती है कि मघा में सबसे ज्यादा पानी संरक्षण किया जाए, यह बढ़िया होता है ।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95